हिन्दी दैनिक

आकाश ज्योति

हैदराबाद और चेन्नई से प्रकाशित

वर्ष-23 अंक: 313 हैदराबाद, गुरूवार, 22 जनवरी 2026, कुल मुद्रित पृष्ठ : 08, मूल्य: 5/- Circulated in Telangana State, Andhra Pradesh and Tamil Nadu

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान की अदालत ने अजमेर दरगाह में शिव मंदिर बनाने की याचिका स्वीकार कर ली है

जयपुरः राजस्थान की एक अदालत ने सोमवार, 19 जनवरी को महाराणा प्रताप सेना की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें दावा किया गया है कि अजमेर दरगाह परिसर के भीतर एक शिव मंदिर मौजूद है। यह एक षड्यंत्र सिद्धांत है जिसे अक्सर दक्षिणपंथी समूह फैलाते हैं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई 21 फरवरी को निर्धारित की है। यह याचिका महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. एपी सिंह के माध्यम से अजमेर सिविल कोर्ट में दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि दरगाह परिसर में भगवान महादेव का शिवलिंग है और प्राचीन काल में लोग इसकी पूजा करते थे। परमार ने साक्ष्य के रूप में नक्शे, सर्वेक्षण संबंधी सामग्री, तस्वीरें और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए। सिंह ने कहा कि यदि न्यायालय को और सबूत चाहिए तो परमार अतिरिक्त सामग्री उपलब्ध कराएंगे। याचिका में राजस्थान सरकार, पुरातत्व विभाग और दरगाह समिति को प्रतिवादी बनाया गया है और सभी पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं।

उत्तर प्रदेशः खाली घर में 'बिना अनुमति के' नमाज अदा करने के आरोप में 12 लोग गिरफ्तार

बरेलीः अधिकारियों ने रविवार, 18 जनवरी को बताया कि उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव में पुलिस ने एक खाली घर में 'बिना अनुमति के नमाज अदा करने' के आरोप में 12 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि घर के अंदर लोगों को प्रार्थना करते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सामने आया है और सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) (दक्षिण) अंशिका वर्मा ने कहा कि मोहम्मदगंज गांव के लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एहतियाती कार्रवाई की कि पिछले कई हफ्तों से एक खाली मकान का कथित तौर पर अस्थायी मदरसे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

कर्नाटकः देवी की प्रतिमा उठाने की अनुमति न मिलने पर दलितों ने विरोध प्रदर्शन किया

कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में सोमवार को दलित युवकों ने कथित तौर पर उच्च जाति के लोगों द्वारा ग्राम देवी की पालकी उठाने की अनुमति न दिए जाने के बाद जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना के बाद क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। चिक्कबल्लापुरा ग्रामीण पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मामले को सुलझाने के प्रयास में दोनों समुदायों के नेताओं से बातचीत कर रहा है। पुलिस ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि दोनों समूहों के बीच झड़प हुई और देवी की मूर्ति को सड़क के बीचोंबीच छोड़ दिया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह घटना जुलूस के दौरान घटी। दलितों ने पालकी के लिए सभी वर्गों से चंदा इकट्ठा किया। गांव वालों ने दलितों समेत समाज के सभी वर्गों से चंदा इकट्ठा करके जुलूस का आयोजन किया था। हालांकि, दलित समुदाय के कुछ युवकों ने देवी की पालकी उठाने की मांग की, जिसे कथित तौर पर अस्वीकार कर दिया गया। इसके चलते दोनों समूहों के बीच बहस और झड़प हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं और स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इससे पहले, दक्षिण कर्नाटक के कनकपुरा कस्बे के मालागालू में सिद्धप्पाजी मंदिर रोड पर अपने घर के बाहर बैठे दलित समुदाय के अनीश कुमार का बायां हाथ कथित तौर पर एक हथियारबंद गिरोह ने काट डाला था।

यूरोपीय संघ और भारत ऐतिहासिक व्यापार समझौते की कगार पर: उर्सुला वॉन डेर लेयेन

मुख्य बिंदु

- यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार, 20 जनवरी को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ एक 'ऐतिहासिक व्यापार समझौते' की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का एक बाजार बनेगा जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा।
- यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और वॉन डेर लेयेन गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करने के लिए 25 से 27 जनवरी तक भारत में रहेंगे ।

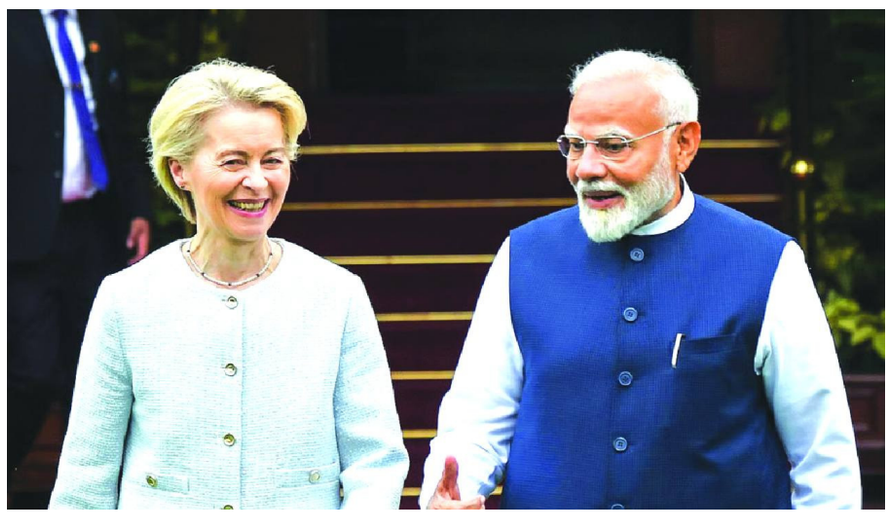

नई दिल्लीः यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार, 20 जनवरी को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ एक 'ऐतिहासिक व्यापार समझौते' की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का एक बाजार बनेगा जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और वॉन डेर लेयेन गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करने के लिए 25 से 27 जनवरी तक भारत में रहेंगे । दोनों पक्ष 27 जनवरी को भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत के निष्कर्ष की घोषणा करने वाले हैं। दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप आज के विकास केंद्रों और इस सदी की आर्थिक महाशक्तियों के साथ व्यापार करना चाहता है। 'मैं भारत की यात्रा करूंगी। अभी बहुत काम बाकी है। लेकिन हम एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते की कगार पर हैं। कुछ लोग इसे अब तक का सबसे बड़ा समझौता कहते हैं। एक ऐसा समझौता जो 2 अरब लोगों का बाजार बनाएगा, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा,' उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा। 'और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और गतिशील महाद्वीपों में से एक के साथ पहले कदम उठाने का लाभ मिलेगा। यूरोप आज के विकास केंद्रों और इस सदी की आर्थिक महाशक्तियों के साथ व्यापार करना चाहता है,' वॉन डेर लेयेन ने कहा। उन्होंने कहा, 'लैटिन अमेरिका से लेकर हिंद प्रशांत क्षेत्र और उससे भी आगे तक, यूरोप हमेशा दुनिया को ही चुनेगा। और दुनिया भी यूरोप को चुनने के लिए तैयार है। ' यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और वित्त वर्ष 2023-24 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 135 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। उम्मीद है कि यह मुक्त व्यापार समझौता व्यापारिक संबंधों को काफी मजबूत करेगा। प्रस्तावित समझौते से कई क्षेत्रों में समग्र द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने में गुणात्मक बदलाव आने की उम्मीद है, ऐसे समय में जब दुनिया वाशिंगटन की टैरिफ नीति के मद्देनजर व्यापार में व्यवधान का सामना कर रही है। मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के अलावा, दोनों पक्ष शिखर सम्मेलन में एक रक्षा ढांचागत समझौता और एक रणनीतिक एजेंडा भी पेश कर सकते हैं। भारत और यूरोपीय संघ 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते को ऐसे समय में अंतिम रूप दिया जा रहा है जब वाशिंगटन की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं, जिनका असर भारत और 27 देशों वाले यूरोपीय संघ दोनों पर पड़ा है। भारत और यूरोपीय संघ द्वारा एक संयुक्त व्यापक रणनीतिक दृष्टिकोण का अनावरण करने की भी उम्मीद है जो 2026-2030 की अवधि के लिए उनके संबंधों को नियंत्रित करेगा। यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार 2007 में शुरू की थी, लेकिन महत्वाकांक्षाओं में अंतर के कारण 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। बातचीत जून 2022 में फिर से शुरू हुई। प्रस्तावित सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी (एसडीपी) दोनों पक्षों के बीच गहन रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को सुगम बनाएगी। एसडीपी रक्षा क्षेत्र में अंतरसंचालनीयता लाएगी और इससे भारतीय कंपनियों के लिए यूरोपीय संघ के एसएएफई (यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई) कार्यक्रम में भाग लेने के रास्ते खुलेंगे। एसएएफई यूरोपीय संघ का 150 अरब यूरो का वित्तीय साधन है जिसे सदस्य देशों को रक्षा तैयारियों में तेजी लाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस शिखर सम्मेलन में भारत और यूरोपीय संघ सूचना सुरक्षा समझौते (एसओआईए) के लिए बातचीत शुरू करने वाले हैं। एसओआईए से दोनों पक्षों के बीच औद्योगिक रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उपराष्ट्रपति ने राम जन्मभूमि आंदोलन पर लिखी गयी पुस्तक का विमोचन किया

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति एनक्लेव में पूर्व सचिव श्री सुरेंद्र कुमार पचौरी द्वारा लिखित पुस्तक 'अमृत का प्यालाः राम जन्मभूमि - चुनौती और प्रतिक्रिया' का विमोचन किया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह पुस्तक भगवान श्री राम के जन्मस्थान को पुनः प्राप्त करने के सदियों पुराने संघर्ष का वर्णन करती है और ऐतिहासिक कथा को संतुलन, सहानुभूति और शैक्षिक संयम के साथ प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण भारत की सभ्यतागत यात्रा में एक निर्णायक क्षण का प्रतीक है, जहाँ आस्था, इतिहास, कानून और लोकतंत्र का गरिमा के साथ समन्वय हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही हजारों मंदिर कहीं और बने हों, लेकिन किसी अन्य का महत्व भगवान राम के जन्मस्थान पर बने मंदिर के बराबर नहीं हो सकता। श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भगवान राम राष्ट्र और भारत के धर्म की आत्मा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि धर्म कभी पराजित नहीं हो सकता और सत्य हमेशा विजयी होता है। महात्मा गांधी के राम राज्य के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए न्याय, समानता और गरिमा का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान को स्थापित करने की लंबी प्रक्रिया को देखना पीड़ादायक था और ऐसी स्थिति अधिकांश अन्य देशों में असंभव होती। उन्होंने उल्लेख किया कि यह स्वयं भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है, क्योंकि पूरे राष्ट्र के विश्वास के बावजूद भूमि केवल उचित कानूनी प्रक्रिया और प्रमाण के बाद ही आवंटित की गई। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भारत को सही अर्थ में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। 2019 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लेख करते हुए श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि न्यायालय का यह निर्णय लाखों भारतीयों के लंबे समय के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करता है और यह भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण ने भारतीयों के आत्म-सम्मान को पुनर्स्थापित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इतिहास लेखन, साहित्यिक कार्य की सबसे कठिन विधाओं में से एक है, क्योंकि इसके लिए भावनात्मक संतुलन और सच्चाई के प्रति निष्ठा की आवश्यकता होती है।

बंगाल SIR: चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 12 और रोल ऑब्ज़र्वर नियुक्त किए

कोलकाताः चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समीक्षा के लिए 12 और विशेष निर्वाचक नामावली पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। इन 12 विशेष निर्वाचक नामावली पर्यवेक्षकों में हर्ष मंगला, नंद कुमारुम, पी. बाला किरण, प्रसन्ना आर, राघव लैंगर, रवि शंकर, शशांक मिश्रा, वी. किरण गोपाल, एस. वेंकटेशपथी, निशिता उपाध्याय, देवेश दवल और गया प्रसाद शामिल हैं। इन 12 अतिरिक्त विशेष निर्वाचक नामावली पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचनाएँ आईएएनएस के पास उपलब्ध हैं। इन 12 विशेष पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के साथ ही विशेष रोल पर्यवेक्षकों की कुल संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक है जहाँ समानांतर रूप से एसआईआर अभ्यास किया जा रहा है। एसआईआर अभ्यास की शुरुआत से ही राज्य में मतदाता सूची से जुड़े इस संवेदनशील कार्य को देखते हुए विशेष निर्वाचक नामावली पर्यवेक्षकों की संख्या समय-समय पर बढ़ाई जाती रही है। पश्चिम बंगाल में विशेष निर्वाचक नामावली पर्यवेक्षकों की टीम का नेतृत्व सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुव्रत गुप्ता कर रहे हैं, जो पश्चिम बंगाल कैडर से हैं। ये 33 विशेष पर्यवेक्षक, ईसीआई द्वारा पहले से नियुक्त 6,500 माइक्रो-ऑब्ज़र्वरों के अतिरिक्त होंगे, जिन्हें पश्चिम बंगाल में प्रारूप मतदाता सूची पर दावों और आपत्तियों से संबंधित चल रही सुनवाई सत्रों की समीक्षा के लिए नियुक्त किया गया है। माइक्रो-ऑब्ज़र्वरों को सुनवाई सत्रों की समीक्षा के लिए शामिल करने की यह अवधारणा, उन अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में, जहाँ समानांतर एसआईआर अभ्यास चल रहा है, केवल पश्चिम बंगाल तक ही सीमित रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर माइक्रो-ऑब्ज़र्वरों की नियुक्ति के कदम पर आपत्ति जताई थी और आरोप लगाया था कि राज्य में चल रहा निर्वाचक नामावलियों का एसआईआर, त्रुटियों को सुधारने या नए मतदाताओं को शामिल करने के बजाय, मौजूदा मतदाताओं के नाम हटाने और बाहर करने के एकमात्र उद्देश्य से किया जा रहा है।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने विधायी संस्थाओं के कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के मानक स्थापित करने पर पुनः ज़ोर दिया

लखनऊ में चल रहे 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का दूसरा दिन तीन प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श के साथ संपन्न हुआ
- (1) पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग;
(2) विधायकों की क्षमता-वृद्धि द्वारा कार्यकुशलता में सुधार एवं लोकतांत्रिक शासन को सुदृढ़ करना; तथा
(3) जनता के प्रति विधायिकाओं की जवाबदेही। इन पूर्ण सत्रीय विचार-विमर्शों में लोक सभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला उपस्थित रहे। राज्य सभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश ने चर्चा का संचालन किया। सभा को संबोधित करते हुए माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने देश भर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली में समाहित करने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना के प्रयासों की प्रशंसा की। श्री बिरला ने विधायकों की शैक्षणिक योग्यताओं एवं पेशेवर अनुभवों को पहचानकर उनका रचनात्मक उपयोग करने की श्री महाना की पहल की भी सराहना की। पूर्ववर्ती AIPOC सम्मेलनों के प्रमुख विमर्शों को स्मरण करते हुए श्री बिरला ने उत्कृष्टता, नवाचार तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में देहरादून में 2019 में आयोजित AIPOC में हुई चर्चाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य विधायिकाओं की कार्यकुशलता एवं कार्यप्रणाली में सुधार पर अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने बताया कि इस दिशा में एक समिति का गठन किया गया है, जो भारत में विधायी निकायों की प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं के मानकीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार कर रही है। राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश ने विधान मंडलों की कार्यकुशलता में वृद्धि करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बल दिया, साथ ही इस तकनीक को उपयुक्त एवं विश्वसनीय बनाने के लिए अपेक्षित विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया। संसद में एआई के व्यावहारिक उपयोग एवं इसके क्रियान्वयन के विभिन्न तरीकों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने संसद और राज्य विधान मंडलों के बीच अधिक समन्वय किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे विधान मंडलों के संस्थागत ज्ञान का उपयोग संसद तथा राज्य विधान सभाओं, दोनों के द्वारा प्रभावी रूप से किया जा सके। कल 21 जनवरी, 2026 को सम्मेलन का तीसरा एवं अंतिम दिन होगा। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला सम्मेलन में समापन संबोधन देंगे। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे तथा सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक बेंगलुरु के अलावा अन्य शहरों का भी विकास कर रहा है

दावोसः कर्नाटक सरकार के 'बियॉन्ड बेंगलुरु' अभियान में भारी रुचि होने की बात कहते हुए , राज्य के वरिष्ठ मंत्री एमबी पाटिल ने मंगलवार, 20 जनवरी को कहा कि उनकी सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए कई अन्य शहरों का विकास कर रही है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान पीटीआई से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि कर्नाटक देश के सबसे प्रगतिशील राज्यों में से एक है, और यह काम वर्ष 2000 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा के नेतृत्व में शुरू हुआ था, जब बेंगलुरु को देश की आईटी राजधानी के रूप में विकसित किया गया था। मंत्री ने याद दिलाया कि राज्य में स्वतंत्रता-पूर्व युग से ही एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र रहा है और यह आईएसआरओ, भारतीय विज्ञान संस्थान, बीएचईएल, एचएएल और एचएमटी जैसे प्रतिष्ठित संगठनों का घर रहा है। उन्होंने कहा, 'हम व्यावसायिक कॉलेजों के क्षेत्र में भी अग्रणी हैं, और पिछले तीन दशकों तक भारत के अन्य राज्यों में बहुत कम इंजीनियरिंग कॉलेज थे। ' 'यह हमारा राज्य है जहाँ से इंफोसिस और विप्रो जैसी आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां उभरीं। और अब, हम सिर्फ एक आईटी राजधानी नहीं हैं, हम जैव प्रौद्योगिकी की राजधानी हैं, मशीन टूल्स की राजधानी हैं, एयरोस्पेस और रक्षा की राजधानी हैं, और अब स्टार्टअप की राजधानी भी हैं। ' उन्होंने कहा कि अगर वैश्विक फॉर्च्यून 500 कंपनियों को देखें तो उनमें से 400 से अधिक फॉर्च्यून कंपनियों का मुख्यालय बेंगलुरु में है। 'यहां दावोस में , हम स्थिरता के बारे में बहुत बात करते हैं; हमारी औद्योगिक नीति में स्थिरता के लिए प्रोत्साहन शामिल है। उदाहरण के लिए, यदि आपका विनिर्माण पर्यावरण के अनुकूल है, उसमें कुछ अनूठी पहलें, टिकाऊ पहलें शामिल हैं, और आपको प्रोत्साहन मिलता है।

कोई व्यंग्य नहीं: कुत्तों के हमलों के लिए फीडर्स को जिम्मेदार ठहराने वाली टिप्पणियों पर एससी कायम

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार, 20 जनवरी को कहा कि वह आवारा कुत्तों से जुड़े स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) मामले में की गई अपनी पूर्व मौखिक टिप्पणियों पर पूरी तरह कायम है, जिनमें यह टिप्पणी भी शामिल है कि कुत्तों को खाना खिलाने वाले (डॉग फीडर्स) कुत्तों के हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं। कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया कि ये टिप्पणियाँ व्यंग्य में की गई थीं। सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों के प्रबंधन से जुड़े सुओ मोटो मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ को अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बताया कि पिछली सुनवाइयों के दौरान कोर्ट की कुछ मौखिक टिप्पणियों की गलत व्याख्या की गई और कथित तौर पर इससे डॉग फीडर्स पर हमले भी हुए। भूषण ने कहा, 'कभी-कभी कोर्ट की टिप्पणियों से दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम सामने आते हैं। उदाहरण के लिए, आपके लॉर्डशिप्स ने कहा था कि फीडर्स को कुत्तों के काटने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। शायद यह व्यंग्यात्मक था। ' हालांकि, न्यायमूर्ति नाथ की अगुवाई वाली पीठ ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि टिप्पणियाँ 'पूरी गंभीरता से' की गई थीं। शीर्ष अदालत ने कहा, 'नहीं, हमने यह व्यंग्य में नहीं कहा। हमने यह बहुत गंभीरता से कहा।' कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि वकीलों के साथ मौखिक बहस के दौरान की गई टिप्पणियाँ होने मात्र से उनका स्वरूप नहीं बदल जाता। सुनवाई के दौरान भूषण ने देशभर में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के असमान क्रियान्वयन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी से आक्रामकता कम होती है, लेकिन पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण अधिकांश शहरों में यह प्रणाली विफल रही है। भूषण ने तर्क दिया, 'यह नसबंदी प्रणाली जयपुर और गोवा जैसे स्थानों पर काम कर रही है, लेकिन अधिकांश शहरों में नहीं। इसे प्रभावी बनाने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी,' और नागरिकों द्वारा बिना नसबंदी वाले आवारा कुत्तों की सूचना संबंधित अधिकारियों को देने के लिए एक तंत्र प्रस्तावित किया।

असम में भीड़ हिंसा में दो लोगों की मौत के बाद झड़पें हुईं और इंटरनेट सेवा बाधित हुई

कोकराझार/गुवाहाटीः असम के कोकराझार में मंगलवार, 20 जनवरी को बोडो और आदिवासियों के बीच कथित तौर पर ताजा झड़पें हुईं। यह झड़पें भीड़ हिंसा में दो लोगों की मौत के एक दिन बाद हुईं, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया, दो जिलों में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गईं और निषेधाज्ञा लागू कर दी गई, अधिकारियों ने बताया। करीगांव इलाके में भीड़ की हिंसा में घायल हुए चार लोगों में से एक ने मंगलवार को कोकराझार मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। पुलिस ने अब तक भीड़ हिंसा और उसके बाद हुई झड़पों के सिलसिले में 18 लोगों को हिरासत में लिया है। चीफ हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए व्यवस्थाएं कर ली गई हैं, जबकि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) कोकराझार जिले में अशांति को दबाने के लिए पहले से ही मौके पर मौजूद है। गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात को करीगांव चौकी के अंतर्गत मानसिंह रोड पर तीन बोडो लोगों को ले जा रहे एक वाहन ने दो आदिवासी व्यक्तियों को टक्कर मार दी

हरियाणा में वेटनरी सर्जन की 162 पदों की भर्ती रद्द

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने प्रदेश में वेटनरी सर्जन के 162 पदों की भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। यह विज्ञापन 14 जनवरी को जारी किया गया था, जिसे वापस ले लिया गया है। आयोग ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा वेटनरी सर्जन के 162 के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिसमें जनरल के लिए 46, डीएससी के लिए 21, ओएससी के लिए 21, बीसी ए के लिए 46, बीसीबी के लिए 12 व ईडब्ल्यूएस के लिए 16 पद रिजर्व रखे गए हैं। इस भर्ती में करीब रिजर्व कैटेगरी के 40 पद बैकलॉग के शामिल हैं, जिसमें डीएससी के लिए 5, ओएससी के लिए 4, बीसी ए के लिए 29, बीसी बी के 2 पद शामिल हैं। अब आयोग द्वारा इन भर्तियों को लेकर नए सिरे से आदेश।

आत्महत्या करने वाले एएसआई की पत्नी को मिली सरकारी नौकरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने रोहतक के एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या के बाद उनकी पत्नी संतोष कुमारी को ग्रुप बी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) पद पर नियुक्ति प्रदान कर दी है। इस संबंध में मंगलवार रात आदेश जारी किए गए हैं। संतोष कुमारी को कैम्पस स्कूल, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में पीटीजी मैथ के पद पर नियुक्त किया गया है। एएसआई संदीप लाठर ने 14 अक्टूबर को गांव लाढौत से धामड़ रोड पर अपने मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर जाकर अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या की थी। उससे पहले उन्होंने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था और चार पेज का एक सुसाइड नोट भी लिखा था, जिसमें संदीप ने आईपीएस वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। एएसआई संदीप लाठर द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद पिछले साल 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने उनकी पत्नी को नौकरी प्रदान करने का ऐलान किया था। एक जनवरी को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। अब सरकार ने मंगलवार की रात संदीप कुमार की पत्नी संतोष कुमारी की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। हरियाणा में ग्रुप बी के तहत(पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) का वेतन सातवें वेतन आयोग के अनुसार 47,600 रुपए से 1,51,100 रुपए प्रति माह के वेतनमान में होता है, जिसमें ग्रेड पे 4800 रुपए शामिल है, साथ ही महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अन्य भत्ते भी जुड़कर कुल इन-हैंड सैलरी मिलती है, जो लगभग 85,000 रुपए या उससे अधिक भी हो सकती है।

हाई कोर्ट ने दुष्कर्म एवं हत्या मामले में झज्जर ट्रायल कोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर जिले में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने बदल दिया। उच्च न्यायालय ने दोषी विनोद उर्फ मुन्ना को सुनाई गई फांसी की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप चितकारा और जस्टिस सुखविंदर कौर की खंडपीठ ने मामले में प्रक्रियात्मक खामियां पाते हुए इसे दोबारा ट्रायल के लिए भेजने का निर्णय लिया है। वारदात 21 दिसंबर 2020 को झज्जर के छावनी एरिया में हुई थी। यहां एक राजमिस्त्री अपने परिवार के साथ रहता था। उनके पास ही 26 साल का विनोद कुमार उर्फ मुन्ना भी रहता था। उसने बच्ची का अपहरण किया और रेप के बाद हत्या कर दी। पांच साल की बच्ची का रेप कर मर्डर करने का यह केस झज्जर में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमराज की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सभी सबूतों को देखते हुए सोमवार 29 नवंबर, 2021 को वारदात के 11 महीने बाद विनोद उर्फ मुन्ना को दोषी ठहराते हुए विनोद को फांसी की सजा सुनाई, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि डीएनए रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण फोरेंसिक साक्ष्य आरोपित के सामने स्पष्ट रूप से नहीं रखे गए थे। आरोपित को इन साक्ष्यों पर अपना पक्ष रखने या स्पष्टीकरण देने का अवसर नहीं मिला, जिसे उच्च न्यायालय ने 'ट्रायल का दूषित होना' करार दिया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपित के समक्ष सभी आपराधिक परिस्थितियां नहीं रखी, जो कानूनी प्रक्रिया के तहत अनिवार्य है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब यह मामला वापस झज्जर में अदालत में जाएगा।

हरियाणा में चिराग योजना के तहत शामिल छात्रों के लिए फिर खुलेगा पोर्टल

चंडीगढ़। हरियाणा में चिराग योजना के तहत दाखिले से वंचित रह गए छात्रों को शिक्षा विभाग ने राहत दी। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने तय किया है कि योजना का चेकिंग पोर्टल दोबारा खोला जाएगा, ताकि पात्र छात्र अपने दस्तावेज अपलोड कर सकें। पोर्टल 23 से 30 जनवरी तक खुला रहेगा। इस दौरान छात्र अपनी मार्कशीट और अन्य जरूरी कागजात अपलोड कर पाएंगे। शिक्षा विभाग के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 10वीं कक्षा के परिणाम देर से घोषित हुए थे। दाखिले की समय-सीमा 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक थी, जबकि 10वीं का रिजल्ट 15 जून 2025 को आया। इसी कारण कई पात्र छात्र चिराग योजना के तहत समय पर दाखिला नहीं ले सके। ऐसे छात्र जिन्होंने 15 जुलाई 2025 तक 11वीं में दाखिला ले लिया, लेकिन योजना के तहत उनका डेटा अपलोड नहीं हो पाया, उन्हें अब मौका दिया जाएगा। ये छात्र पोर्टल खुलने के दौरान अपनी जानकारी और दस्तावेज जमा कर सकेंगे। निदेशालय ने यह भी बताया कि 276 निजी स्कूलों को कुछ कक्षाओं के लिए अपात्र पाया गया है। कारण यह है कि इन स्कूलों ने अपनी मान्यता से जुड़े पूरे दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड नहीं किए।

मानेसर में बनाए जाएंगे आयुष्मान आरोग्य मंदिर: आरती राव

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मानेसर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना की जाएगी। आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए मानेसर निगम क्षेत्र में सीएचसी, पीएचसी में सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। गुरुग्राम जिला में बन रहे सरकारी अस्पाताल में मरीजों के लिए बेड़ों की संख्या को बढ़ाकर 600 किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मंगलवार को मानेसर निगम क्षेत्र में विभिन्न वार्डों में पार्षदों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में दौरा करते हुए यह बात कही।

उन्होंने आमजन का धन्यवाद करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता की बदौलत ही प्रदेश में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। यहां के लोगों के हितों के लिए वे पुरजोर कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण हरियाणा के

लोगों ने उनके पिता व केंद्र में राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का हमेशा साथ दिया है। क्षेत्र के लोगों द्वारा दी गई ताकत से ही वे दक्षिण हरियाणा में विकास के लिए आवाज बुलंद कर रहे हैं। राव इंद्रजीत सिंह के कार्यकाल में ही द्वारका एक्सप्रेस-वे जैसा मील का पत्थर गुरुग्राम जिला को नई पहचान दिला रहा है। इसके अलावा हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर बनने से जिला के विकास को पंख लगेंगे। इतना ही नहीं आरआरटीएस प्रोजेक्ट भी गुरुग्राम विशेषकर मानेसर क्षेत्र को नई पहचान दिलाएगा। आरती राव ने गांव कासन में पार्षद भूपेंद्र सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव के विकास के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। ग्रामीणों ने एक मांग पत्र भी स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा। इसके उपरांत मानेसर सेक्टर-1 में पार्षद रविंद्र यादव के आवास पर, गांव बढ़ा में पार्षद प्रताप सिंह और गांव हयातपुर में मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में जनता को संबोधित किया।

इस दौरान महानगर गुरुग्राम के जिला अध्यक्ष अजीत यादव, पटौदी मार्केट कमेटी के चेयरमैन मनोज मोकलवास, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त लोकेश यादव, पार्षद रवि यादव, प्रवेश यादव, पिंकी कुमारी, रामप्रकाश, नामित पार्षद सत्यदेव, प्रोफेसर हंसराज यादव, मास्टर बलबीर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तंजानिया के साथ कृषि कारोबार को बढ़ाएगा हरियाणा

एजेंसी

चंडीगढ़। तंजानिया और हरियाणा राज्य के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा विदेश सहयोग विभाग एवं नागरिक उड्डयन विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई। इसमें व्यापारियों एवं प्रगतिशील किसानों के साथ तंज़ानिया में कृषि गतिविधियों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान तंज़ानिया में कृषि यंत्रों की संभावित मांग, विभिन्न क्षेत्रों के अनुरूप फसल चयन, बागवानी एवं दलहन फसलों की संभावनाएं, सिंचाई के लिए जल उपलब्धता तथा विद्युत आपूर्ति जैसे विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त खनन (माइनिंग) क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दे एवं प्रश्न भी बैठक के समक्ष रखे गए। अमनीत पी. कुमार ने व्यापारियों एवं किसानों द्वारा प्रस्तुत सभी सुझावों और प्रश्नों को गंभीरता से सुना एवं आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संरचित, पारदर्शी और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि व्यापारियों और किसानों को तंज़ानिया में निवेश एवं कृषि गतिविधियों से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां समयबद्ध और सटीक रूप से उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि तंज़ानिया में संभावनाओं के आकलन के लिए सर्वेक्षण, फील्ड स्टडी एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों की स्पष्ट जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएंगी ताकि आगे की कार्ययोजना को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग गांवों में चलाएगा जागरूकता अभियान, जहां लड़कियां हैं कम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ कुलदीप सिंह ने कहा कि सभी जिला सिविल सर्जन अपने-अपने क्षेत्र के उन गांवों पर फोकस करें जिन गांवों में लड़कियों का अनुपात लड़कों की तुलना में काफी कम है। ऐसे गांव में अगर कोई लिंग जांच करवाने वाले असामाजिक व्यक्ति सक्रिय हैं तो उनकी सूचना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग में अवश्य दी जानी चाहिए।

डॉ कुलदीप सिंह आज यहां लिंगानुपात में सुधार के लिए गठित की गई स्पेशल टॉस्क फोर्स की साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। डॉ कुलदीप सिंह ने जिला स्तर के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकारी अस्पतालों, जिला एवं तहसील स्तर के सचिवालयों एवं अन्य भीड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर मैप बना कर उन गांवों को विशेष रंग से प्रदर्शित करें जिन गांवों में लिंगानुपात की दर काफी कम है। इससे गांव के सभी मौजिज लोगों को अपने गांव में लिंगानुपात की दर बढ़ाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन जिला के सिविल सर्जनों तथा पीएनडीटी के नोडल ऑफिसर्स से भी बात की, जिन जिलों में लड़कियों के लिंगानुपात की दर 900 से कम है। उन्होंने गत वर्ष लिंगानुपात की जांच करने वाले संभावित ठिकानों पर रैड न करने वाले तथा बहुत कम करने वाले अधिकारियों से भी जवाब तलबी की और चालू माह जनवरी 2026 में अधिक से अधिक रेड करने के निर्देश दिए।

हरियाणा के राज्यपाल पंचकूला तो मुख्यमंत्री गुरुग्राम में करेंगे ध्वजारोहण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस बार 26 जनवरी के प्रदेश स्तरीय आयोजन पंचकूला में होगा। यहां राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ध्वजारोहण करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम के आयोजन में मुख्यातिथि होंगे। 'एट होम' का आयोजन चंडीगढ़ स्थित हरियाणा लोकभवन (राजभवन) में होगा। प्रदेश सरकार की तरफ से जारी सूचना के अनुसार प्रदेश के सभी 23 जिला मुख्यालयों के अलावा उपमंडल स्तर पर भी बड़े आयोजन होंगे। हरियाणा के नये और 23वें जिले हांसी में पहली बार जिला स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोह होगा। यहां केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ध्वजारोहण करेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री रहते हुए मनोहर लाल ने ही हांसी को पुलिस जिला बनाया था। हांसी को जिला बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है।

अंबाला में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, भिवानी में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, चरखी दादरी में सांसद धर्मबीर सिंह, फरीदाबाद में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, फतेहाबाद में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा, हिसार में शिक्षा एवं संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा तथा झज्जर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ध्वजारोहण करेंगे। जींद में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, कैथल में सांसद नवीन जिंदल, करनाल में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कुरुक्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, महेंद्रगढ़ में उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, नूंह में सांसद सुभाष बराला, पलवल में सांसद रामचंद्र जांगड़ा, पानीपत में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार तथा रेवाड़ी में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम मुख्यातिथि होंगे। रोहतक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, सिरसा में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, सोनीपत में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, यमुनानगर में ऊर्जा मंत्री अनिल विज राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। नारायणगढ़ में मंडल आयुक्त, बराड़ा में उपमंडल अधिकारी (नागरिक), लोहारू में बवानी खेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, तोशाम में जिला परिषद, चरखी दादरी के चेयरमैन मनदीप डालावास, सिवानी में भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ, बाढड़ा में स्थानीय विधायक उमेद सिंह पातूवास गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। सरकार ने विधायकों की ड्यूटी उनके हलकों में लगाई है।

दो रेलवे स्टेशनों को मर्ज कर एक नया स्टेशन बनाने की मांग

-आसौदा रेलवे स्टेशन को हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर शिफ्ट करने से तमाम यात्रियों को होगी सुविधा

एजेंसी

झज्जर। आसौदा व आसपास के गांवों के निवासियों ने दिल्ली-रोहतक रेल मार्ग पर स्थित वर्तमान 'आसौदा' रेलवे स्टेशन और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर बनने वाल वाले 'न्यू आसौदा' रेलवे स्टेशन को मर्ज कर एक संयुक्त रेलवे स्टेशन बनाने की मांग की है। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार देर रात दिल्ली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है की संयुक्त रेलवे स्टेशन से आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों यात्रियों को सुविधा होगी। कुंडली-मानेसर-पलवल तक बनने वाले हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है। बहादुरगढ़ के पास इस लाइन का स्टेशन 'न्यू आसौद' के नाम से बनाया जा रहा है, जो मौजूदा 'आसौदा' रेलवे स्टेशन से 850 मीटर दूर है। लेकिन आसपास के ग्रामीण ऑर्बिटल

कॉरिडोर वाले 'न्यू आसौदा' स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर एलिवेटेड बनाकर उसके नीचे ही मौजूदा 'आसौदा' स्टेशन को शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं। ऐसा करने से यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाने के लिए लगभग 850 मीटर तक पैदल नहीं चलना पड़ेगा और वे एक लाइन की ट्रेन से उतरकर आसानी के साथ दूसरी लाइन की ट्रेन में सवार हो सकेंगे। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार रात दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिला और उन्हें सारी स्थिति से अवगत कराते हुए उक्त मांग की। ग्रामीणों की तरफ से जिले सिंह ने बताया कि वे वर्ष 2020 से इसके लिए कोशिश कर रहे हैं। आसपास के पांच शहरों और 23 गांव के लोग अनेक नेताओं व अफसरों से रूबरू हो चुके हैं। इस स्टेशन के शिफ्ट होने से रोहतक, पलवल, सोनीपत व दिल्ली से आने वाले सभी यात्रियों को फायदा होगा, रूट बदलने के लिए आमजन को परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा और युवा भाजपा अध्यक्ष ऋषि भारद्वाज के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की। ऋषि भारद्वाज ने इसको क्षेत्र के विकास की गति को बढ़ाने वाला कार्य बताया व कहा कि मौजूदा स्टेशन को शिफ्ट कर मर्ज करने से सरकार का हजारों करोड़ खर्च भी बचेगा। एक किलोमीटर के अंदर दो स्टेशनों को मेंटेन करने से अच्छा है, दोनों एक ही जगह शिफ्ट हो जाएं। राजपाल शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सैनी ने इसके लिए आश्वासन दिया कि सारी जानकारी को समझकर इसके लिए जरूर कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में रोहतास जांगड़ा व पंडित दिलबाग सहित कई ग्रामीण शामिल रहे।

बजट से पहले शहरों की समस्याएं जानेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी आगामी बजट पेश करने से पहले शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याओं को जानेंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शहरी स्थानीय निकायों की एक अहम समीक्षा बैठक होने जा रही है। मुख्यालय स्तर से प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को पत्र जारी कर बैठक के लिए तैयार रहने के निर्देश दे दिए गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि बैठक की सूचना अलग से दी जाएगी, लेकिन सभी आयुक्तों और जिला नगर आयुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तय एजेंडे के अनुसार पूरी तैयारी और अद्यतन रिपोर्ट के साथ बैठक में उपस्थित हों। इसके साथ ही बैठक का विस्तृत एजेंडा भी अधिकारियों को पहले ही भेज दिया गया है, ताकि चर्चा तथ्यपरक और परिणामोन्मुख हो सके। प्रस्तावित बैठक को बजट निर्माण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि आगामी बजट तैयार करने से पहले शहरी क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों, चुनौतियों और संभावनाओं को सीधे फील्ड से समझा जाए।

बैठक के दौरान नगर निकाय अधिकारी मुख्यमंत्री के समक्ष यह रखेंगे कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच शहरों को किन-किन बुनियादी सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता है। पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, सड़कों की हालत, स्ट्रीट लाइट, ठोस कचरा प्रबंधन, शहरी परिवहन और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भेजे गए एजेंडे के अनुसार बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी होगी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर अधिकारियों को अद्यतन रिपोर्ट देनी होगी।

परीक्षाओं में सिखों को कृपाण और विवाहित महिलाओं को मंगलसूत्र पहनने की छूट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न भर्ती एजेंसियों की आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के दौरान सिख विद्यार्थियों, अभ्यर्थियों को कृपाण पहनने तथा विवाहित महिला अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र पहनने की छूट प्रदान कर दी है।

प्रदेश में यह मांग कई वर्षों से चली आ रही थी। हर बार भर्ती परीक्षाओं के दौरान मंगल सूत्र उतरवाने तथा कृपाण की जांच करने को लेकर विवाद होता था। यह निर्णय दिल्ली उच्च न्यायालय तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के आधार पर लिया गया है, जिनमें धार्मिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के संरक्षण के साथ-साथ परीक्षाओं के निष्पक्ष और सुव्यवस्थित संचालन पर बल दिया गया है। राज्य सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और भर्ती एजेंसियों के प्रमुखों को आवश्यक आदेश जारी करें, ताकि परीक्षा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों,

पर्यवेक्षकों एवं सुरक्षा कर्मियों को इन दिशा-निर्देशों की पूरी जानकारी रहे और किसी भी स्तर पर अभ्यर्थियों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

हरियाणा के मुख्य सचिव कार्यालय से जारी अधिसूचना के अनुसार विभिन्न परीक्षाओं में शामिल होने वाले सिख विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कृपाण पहनने और साथ ले जाने की अनुमति प्रदान की गई है। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार कृपाण की कुल लंबाई 9 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि उसकी धार की लंबाई 6 इंच से अधिक न हो। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पूर्व रिपोर्ट करने की सलाह दी गई है, ताकि आवश्यक जांच और औपचारिकताएं समय पर पूर्ण की जा सके। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि विवाहित महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान मंगलसूत्र पहनने की अनुमति होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पूर्व उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आवश्यक प्रक्रियाएं सुचारू रूप से संपन्न की जा सकें।

गुटबाजी पर नेताओं से होगी जवाब-तलबी: बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चल रही गुटबाजी की खबरों पर विराम लगाते हुए प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने स्पष्ट किया है कि पार्टी में गुटबाजी के लिए कोई स्थान नहीं है। पार्टी में अनुशासनहीनता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।भाजपा के गुरुग्राम तथा फरीदाबाद में हुए कार्यक्रमों के दौरान शीर्ष नेताओं व जिला पदाधिकारियों के बीच हुए विवाद इन दिनों चर्चा का विष्य बने हुए हैं। दो केंद्रीय मंत्रियों तथा प्रदेश के मंत्रियों की बयानबाजी लगातार चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने मंगलवार को कहा कि इस तरह के घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए कहा कि किसी भी नेता द्वारा एक-दूसरे के विरूद्ध बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि फरीदाबाद, रेवाड़ी, गुरुग्राम में हुए घटनाक्रम संज्ञान में आ चुके हैं। जल्द ही वहां के नेताओं को बुलाकर उनका पक्ष सुना जाएगा। संगठन से जुड़े जिला स्तरीय नेताओं से भी बातचीत की जाएगी। इस तरह के घटनाक्रम भविष्य में न हों इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। एक सवाल के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हरियाणा के बीस नेता प्रस्तावक बने हैं। नितिन नबीन पहले भी हरियाणा आ

चुके हैं। अब वह हरियाणा भाजपा की पहली बैठक लेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी के अलावा संगठन मंत्री व अन्य नेता शामिल होंगे। इस बैठक में प्रदेश से जुड़े कई अहम विषयों पर फैसला लिया जाएगा। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष की नई नियुक्ति पर बड़ौली ने कहा कि इस बारे में फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय नेतृत्व को लेना है। पार्टी हाईकमान का जो भी निर्णय होगा उन्हें स्वीकार होगा।

बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण को विशेष स्वच्छता अधिकारी ने किया प्लांट का निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ब्लक वेस्ट जनरेटर और बायो मेडिकल वेस्ट के उचित निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने कचरा निस्तारण करने वाली एजेंसियों के प्लांट का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण शहर में उत्पन्न हो रहे विभिन्न प्रकार के कचरे के वैज्ञानिक और सुरक्षित निपटान की प्रक्रिया को परखने के लिए किया गया। इस दौरान सीटीएल प्रदीप जाखड़ व तकनीकी एक्सपर्ट जसबीर कुंडू भी मौजूद रहे।

विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि सेक्टर 27-28 में स्थित सनरजी एजेंसी द्वारा शहर के विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंग होम और स्वास्थ्य संस्थानों से आने वाले बायो मेडिकल वेस्ट को एकत्रित कर उसका निस्तारण करती है। उन्होंने एजेंसी की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों, कचरे के संग्रहण, छंटाई और निस्तारण की प्रक्रिया का गहनता से जायजा लिया गया। इसके अलावा स्वच्छता विशेष अधिकारी ने शहर के

ब्लक वेस्ट जरनेटरों के कचरे का निस्तारण करने वाली एजेंसी के प्लांट का भी निरीक्षण किया। ब्लक वेस्ट जनरेटर में सिनेमा हॉल, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अन्य संस्थान शामिल हैं, जहां से बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि एजेंसी द्वारा कचरे की छंटाई का कार्य किया जा रहा है तथा इसके लिए आवश्यक ढांचा तैयार किया जा चुका है। एजेंसी द्वारा पिट का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है और शीघ्र ही प्लांट में नियमित रूप से कचरा निस्तारण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। विशेष स्वच्छता अधिकारी हरबीर सिंह ने बायो मेडिकल वेस्ट जनरेटर करने वाले सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश दिए कि वे कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। उन्होंने कहा कि हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, पीले डस्टबिन में सेनेटरी कचरा तथा काले डस्टबिन में हानिकारक कचरा डालना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

हरियाणा में इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के प्लाट धारकों की सेल डीड की मोहलत बढ़ी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने इंप्रूवमेंट ट्रस्ट स्कीम के तहत आवंटित प्लाटों के मालिकों को बड़ी राहत देते हुए सेल डीड कराने की समय-सीमा बढ़ा दी है। लंबे समय से अपने प्लाटों की रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे हजारों लोगों को इस फैसले से फायदा मिलेगा। हालांकि सरकार ने यह राहत एक्सटेंशन फीस के साथ दी है, जिसे तय दरों के अनुसार जमा कराना होगा। राज्य सरकार की जारी अधिसूचना के अनुसार ने एक्सटेंशन फीस शहरों की श्रेणी के अनुसार तय की है। गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर नगर निगम क्षेत्र में खाली प्लाट के लिए 60 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष

शुल्क देना होगा। अन्य नगर निगम क्षेत्रों में यह शुल्क 40 रुपये, नगर परिषदों में 30 रुपये और नगर पालिकाओं में 20 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है। जिन प्लाटों पर निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है और जिनके पास कंपलीशन सर्टिफिकेट नहीं है, उन्हें राहत देते हुए शुल्क आधा कर दिया गया है। ऐसे मामलों में गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर में 30 रुपये प्रति वर्ग मीटर, अन्य नगर निगमों में 20 रुपये, परिषदों में 15 रुपये और पालिकाओं में 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क देना होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि गुरुग्राम, फरीदाबाद या मानेसर में पहली जनवरी, 1990 को आवंटित किसी खाली प्लाट की सेल डीड के लिए पहली जनवरी, 2025 को आवेदन किया जाता है, तो प्लाट मालिक को लगभग 3.96 लाख रुपये एक्सटेंशन फीस देनी होगी। वहीं नगर समिति क्षेत्र में यही शुल्क करीब 1.32 लाख रुपये बैठेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिले की सभी नगर पालिकाओं पर कब्ज़ा करना है, नूति सत्यनारायण गौड़

आकाशज्योति

खम्मम, मधुश्री नलुबोला 21 जनवरीः जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नूति सत्यनारायण गौड़ ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने तेलंगाना राज्य की वन एवं बंदोबस्ती (Endowments) मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा को खम्मम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है।

उन्होंने आगे बताया कि आज आयोजित TPCC ज़ूम मीटिंग में प्रदेश अध्यक्ष महेश गौड़ ने स्पष्ट किया कि नगर निकाय चुनावों के लिए विशेष प्रभारी नियुक्त किए गए हैं और इन समितियों में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संयोजक के रूप में कार्य करेंगे।

सत्यनारायण गौड़ ने जिला नगर पालिका क्षेत्र के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे स्थानीय विधायकों के सहयोग और सुझावों के अनुसार बैठकें करें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द. म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(https://ireps.gov.in द्वारा)
PUB/1791

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीई/सी-II/एससी निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित है:

क्र.सं. : 1. **निविदा आमंत्रण सूचना सं.:** 01-CAO-C-SC-2026, दिनांक :13-01-2026. **कार्य का नाम :** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माणसंगठन : काजीपेट - बल्हारशाह सेक्शन : SW-I : मकुडी और सिरपुरटाउन रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे किमी:178/17-25 और किमी:192/21-27 पर जंगली जानवरों के क्रॉसिंग के लिए दो (02) ओवरपास का प्रस्तावित निर्माण, जिसमें प्रत्येक ओवरपास के लिए 1x42.00m स्पैन कम्पोजिट गर्डर और कुल चौड़ाई 100m होगी। **SW-2 :** बेलमपल्ली और मंदामारी स्टेशनों के बीच रेलवे किमी: 245/4-6 पर मौजूदा UP और DN मेन लाइनों और नई तीसरी लाइन पर एयर पुशिंग मेथड से नए छोटे पुल नंबर 168A स्पैन: 1 x 4.00m x 1.50m RCC बॉक्स के निर्माण का प्रस्ताव। **SW-3:** बल्हारशाह - मानिकगढ़ स्टेशनों के बीच नए SP/BPQ के लिए कंट्रोल क्यूबिकल बिल्डिंग के निर्माण का प्रस्ताव। **विवरण: अनुमानित लागत:** 80,89,90,916.49 रुपये। बयाना जमा **राशि:** 41,95,000.00 रुपये। **पूरा होने की अवधि:** 09 (नौ) महीने। **खुलने की तिथि:** 05-02-2026 15:00 बजे।

i) बोली दस्तावेज़ और अन्य विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **https://ireps.gov.in.** पर लॉग इन करें.
ii) निविदाकर्ता निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान अपने प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं, जो निविदा बंद होने से पहले पंद्रह दिनों की अवधि है।
iii) टेंडर जमा करने की अवधि शुरू होने की तारीख तक निविदाकर्ताओं को किसी भी शुद्धपत्र (जो सिर्फ़ ऑनलाइन जारी किए जाएंगे) पर नज़र रखनी चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, (निर्माण), सिकंदराबाद।

खुली ई-निविदा सूचना संख्या Dy.CE/GS/SC/01 to 04/2026/ OT, Dated : 20-01-2026.
PUB/1792

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे हस्ताक्षरकर्ता निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है:

क्र. सं.: 1. **ई-निविदा संख्या:** 01_GS_SC_26_OT. **कार्य का नाम** कमलनगर और उदगीर स्टेशन के बीच नया क्रॉसिंग स्टेशन - फॉर्मेशन में मिट्टी का काम, नए पुलों का निर्माण, मौजूदा पुल का विस्तार, BG ट्रैक बिछाना और जोड़ना, पॉइंट्स और क्रॉसिंग को असेंबल करना और लगाना, पत्थर की गिट्टी की सप्लाई, लदान और डंपिंग, RBG बिल्डिंग, अप्रोच रोड और कमलनगर और उदगीर स्टेशन के बीच प्रस्तावित नए क्रॉसिंग स्टेशन के लिए अन्य विविध कार्यों का निर्माण। **अनुमानित निवीदा मूल्य(रुपये में):** 8,49,13,266/-. **बयाना जमा राशि (रुपये):** 5,74,600/- **पूरा होने की अवधि दिनों में:** 12 महीने। **मानक पात्रता मानदंड के अनुसार समान स्वभाव के माने जाने वाले कार्य:** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य जिसमें फॉर्मेशन में मिट्टी का काम और किसी भी प्रकार के पुलों का निर्माण शामिल हो। **बोली बंद होने की तारीख:** 12-02-2026.

क्र. सं.: 2. **ई-निविदा संख्या:** 02_GS_SC_26_OT. **कार्य का नाम सिकंदराबाद डिवीजन:** सिकंदराबाद डिवीजन के सनतनगर स्टेशन के रीडेवलपमेंट के लिए नियोजित काम के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, मास्टर प्लानिंग, शहरी डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (TFR), विस्तृत अनुमान (DE), साथ ही BOQ टेंडर शेड्यूल (TS) तैयार करने के लिए तकनीकी सलाहकार। (दर में 18% GST शामिल है)। **अनुमानित निविदा मूल्य रुपये में:** 12,64,665/-. **बयाना जमा राशि (रुपये):** 25,300/-. **पूरा करने की अवधि दिनों में:** 365 दिन। **बोली बंद होने की तारीख:** 12-02-2026.

क्र. सं.: 3. **ई-निविदा संख्या:** 03_GS_SC_26_OT. **कार्य का नाम सिकंदराबाद डिवीजन:** सिकंदराबाद डिवीजन के बेगमपेट (दूसरी एंट्री) स्टेशन के रीडेवलपमेंट के लिए नियोजित काम के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, मास्टर प्लानिंग, शहरी डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (TFR), विस्तृत अनुमान (DE), साथ ही BOQ टेंडर शेड्यूल (TS) तैयार करने के लिए तकनीकी सलाहकार। (दर में 18% GST शामिल है)। **अनुमानित निविदा मूल्य रुपये में:** 12,14,515/-. **बयाना जमा राशि (रुपये):** 24,300/-. **पूरा करने की अवधि दिनों में:** 365 दिन। **बोली बंद होने की तारीख:** 12-02-2026.

क्र. सं.: 4. **ई-निविदा संख्या:** 04_GS_SC_26_OT. **कार्य का नाम सिकंदराबाद डिवीजन:** सिकंदराबाद डिवीजन के सिरपुरकागजनगर (दोनों प्रवेश) स्टेशन के रीडेवलपमेंट के लिए नियोजित काम के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, मास्टर प्लानिंग, शहरी डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (TFR), विस्तृत अनुमान (DE), साथ ही BOQ टेंडर शेड्यूल (TS) तैयार करने के लिए तकनीकी सलाहकार। (दर में 18% GST शामिल है)। **अनुमानित निविदा मूल्य रुपये में:** 16,14,712/-. **बयाना जमा राशि (रुपये):** 32,300/-. **पूरा करने की अवधि दिनों में:** 365 दिन। **बोली बंद होने की तारीख:** 12-02-2026.

क्रम सं. 2, 3 एवं 4 के लिए,मानक पात्रता मानदंड के अंतर्गत समान स्वभाव के माने जाने वाले कार्य :आरएफपी के अनुसार।

1. निविदाकर्ताओं को सिर्फ़ ई-टेंडरिंग के माध्यम से भाग लेना चाहिए और किसी भी मैनुअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि बयाना राशि सिर्फ़ ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से जमा करें।
3. रेलवे बिना कोई कारण बताए टेंडर रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि GSTIN आइडेंटिफिकेशन नंबर प्राप्त करें और अपने ऑफ़र के साथ जमा करें।

डिप्टी चीफ़ इंजीनियर / गति शक्ति / सिकंदराबाद।

निविदा सूचना सं. LGD/L/18/2025-26/OT, Dated : 21-01-2026
PUB/1793

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **Dy.CEE/LGDS** द्वारा निविदा संख्या LGD/L/18/2025-26/OT के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय : 16-02-2026 को 15:00 बजे। बोलीदाता केवल निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी मूल / संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा यदि कोई ऐसा मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे अनदेखा किया जाएगा।
ठेकेदारों को इस टेंडर के लिए अर्नेस्ट मनी (बिड सिक्योरिटी) के तौर पर पेमेंट करने की अनुमति है, जिसे ई-पेमेंट गेटवे के ज़रिए कैश में जमा किया जा सकता है या भारत के किसी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक से बैंक गारंटी बॉन्ड के रूप में या टेंडर डॉक्यूमेंट्स में बताए अनुसार जमा किया जा सकता है। बैंक गारंटी बॉन्ड एनेक्सर-VIA के अनुसार होना चाहिए और बिड वैलिडिटी पीरियड के 60 दिनों बाद तक वैलिड होना चाहिए। ओरिजिनल बैंक गारंटी को बिड जमा करने की आखिरी तारीख के 5 वर्किंग दिनों के अंदर टेंडर डॉक्यूमेंट में बताए गए नॉमिनेटेड अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से देना होगा। ई-टेंडरिंग पोर्टल (IREPS) पर बिड के साथ B.G. की स्कैन कॉपी जमा न करने और/या तय समय के अंदर ओरिजिनल B.G. जमा न करने पर बिड को तुरंत रिजेक्ट कर दिया जाएगा।

क्र. सं.: 1. **निविदा सं.:** LGD/L/18/2025-26/OT. **कार्य का विवरण:** कैरिज वर्कशॉप, लल्लागुडा में पुराने इलेक्ट्रिकल एसेट्स जैसे केबल, कंट्रोल पैनल आदि को बदलना। **विज्ञापित मूल्य (रु.):** 1,35,66,902/- रुपये (एक करोड़ पैंतीस लाख छियासठ हज़ार नौ सौ दो रुपये मात्र)। **बिड सिक्योरिटी (रु.):** 2,17,900/-. **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 12 महीने। **बंद होने की तारीख:** 16-02-2026 को 15:00 बजे।

1. वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in

आगे की निविदा शर्तों/विवरण के लिए (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) और निविदा डाउनलोड करने के लिए दस्तावेज़, शुद्धिपत्र, कृपया देखें हमारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in/

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कैरेज वर्कशॉप, लल्लागुडा, सिकंदराबाद।

ई-निविदा सूचना सं.. 483/ DRM/W/GNT, Dated : 20-01-2026
PUB/1794

नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नीचे उल्लिखित कार्यों के लिए 13-02-2026 को 15:30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्र. सं. : 1. निविदा ID : 2834. DEN **सेक्शन :** उत्तर. **काम का विवरण :** नल्लापाडु में क्रिकेट ग्राउंड,VIP विजिटर गैलरी और ड्रेसिंग रूम का रेनोवेशन। **अनुमानित मूल्य रुपये** में : 2,34,41,298/-. **बयाना राशि जमा** रुपये : 2,67,200/-.

क्र. सं. : 1. निविदा ID : 2835. DEN **सेक्शन :** उत्तर. **काम का विवरण :** फेज़-I के तहत NLPD में लोको ट्रिप शेड का निर्माण (बिल्डिंगहिस्सा)। **अनुमानित मूल्य रुपये** में : 2,69,24,177/-. **बयाना राशि जमा** रुपये : 2,84,600/-.

1. ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि **13-02-2026 के 15:30 बजे** तक है. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉगऑन करें
2. कोई भी आगे की जानकारी/शुद्धिपत्र ई-पोर्टल **www.ireps.gov.in** के ज़रिए बताया जाएगा।

डिविज़नल रेलवे मैनेजर, (वर्क्स), गुंटूर

निविदा सूचना
PUB/1795

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, **सीनियर डिविजन सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर, हैदराबाद डिविजन, साउथ सेंट्रल रेलवे,** सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से **20-02-2026** की तारीख को **11:30 बजे** तक ओपन टेंडरआमंत्रित है।

निविदा की तिथि: 20-01-2026.

क्र. सं. 1. निवीदा सं.: Y/SG/36/2025-26/33. **कार्य का नाम: हैदराबाद डिवीजन:** 1) सिकंदराबाद - धोन सेक्शन: सीताफलमंडी 'A' - काचीगूडा - फलकनुमा ऑटो सेक्शन पर MSDAC के साथ ट्रैक सर्किट बदलना, 2) सिकंदराबाद - मुदखेड़ सेक्शन: सीताफलमंडी 'B' - मलकाजगिरी - कैवलरी बैरक - बोलारम ऑटो सेक्शन पर मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर के साथ ट्रैक सर्किट बदलना और 3) ऑटोमैटिक सिग्नलिंग क्षेत्र में डिस्प्ले व्यवस्था का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य (रु.):** 23,50,34,900.11. **बयाना जमा (रु.):** 13,25,200/-.

सीनि. डिविजन सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर, हैदराबाद
A2266

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों तथा निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in or www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

उपायुक्त अखिल पिलानी ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित विभागों को दिए स्पष्ट दिशा-निर्देश

एजेंसी

नूंह, 21 जनवरी। उपायुक्त अखिल पिलानी ने निर्देश दिए कि जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर संबंधित विभाग प्रभावी एवं ठोस कदम उठाएं तथा सभी व्यवस्थाओं की समयबद्ध पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों व अन्य मुख्य सड़कों पर बने अवैध कटों को तुरंत बंद करने, हाईवे पर अवैध रूप से संचालित ढाबों को हटाने तथा सड़कों के किनारे अवैध पार्किंग व अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा।

उपायुक्त बुधवार को लघु सचिवालय स्थित बैठक कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले की सीमा से गुजर रहे केएमपी एक्सप्रेसवे, दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग-248ए व एनएच-919 सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर बने सभी

अवैध कटों को बंद करवाया जाए। इन मार्गों पर मौजूद अतिक्रमण व अवैध ढाबों को भी तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों व मुख्य सड़कों पर अवैध पार्किंग सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनती है, इसलिए ऐसे वाहनों के अधिक से अधिक चालान किए जाएं।

उपायुक्त ने सर्दियों में संभावित धुंध को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए कि सभी मुख्य सड़कों पर सफेद पट्टी, ज़ेब्रा क्रॉसिंग व रिफ्लेक्टिव मार्किंग करवाई जाए, ताकि धुंध के दौरान वाहन चालकों को मार्ग स्पष्ट दिखाई दे। उन्होंने गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग-248ए पर स्थित गांवों के समीप बने अवैध कटों व अतिक्रमण पर विशेष चिंता जताते हुए इन्हें तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। साथ ही बड़खली चौक पर जाम व अतिक्रमण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। गांवों से सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े रास्तों को पहले सर्विस रोड से जोड़ने या गांव क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए, ताकि तेज गति से वाहन सीधे हाईवे पर न आ सकें। सभी स्पीड ब्रेकरों पर सफेद पट्टी बनाने तथा सड़कों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

उपायुक्त ने गांव भादस में सड़क किनारे स्थित जोहड़ के पास कटान वाले क्षेत्र में रिटेनिंग वॉल निर्माण कराने तथा जिले की सीमा में इस मार्ग पर साइन बोर्डों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने उपमंडल पुन्हाना के गांव सिंगार में चिन्हित ब्लैक स्पॉट को तुरंत दुरुस्त करने, गांव सिकरावा व पिनगवां में सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने व सड़क मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा करने के आदेश दिए। वहीं फिरोजपुर झिरका शहर के अंबेडकर चौक पर डिवाइडर, सड़क मरम्मत व अतिक्रमण हटाने के कार्य जल्द करवाने को कहा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, एसडीएम नूंह अंकिता पुवार, एसडीएम तावडू जितेंद्र कुमार, एसडीएम पुन्हाना आदित्य विक्रम, एसडीएम फिरोजपुर झिरका लक्ष्मीनारायण, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन प्रदीप सिंह सिंधू, डीएसपी पृथ्वी सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्ता नहीं, सेवा ही भाजपा का लक्ष्य..... जिला अध्यक्ष नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़

पवन बजाज

चेन्नूरः चेन्नूर नगर के समग्र विकास के लिए यदि किसी एकमात्र राजनीतिक दल ने निरंतर और निस्वार्थ संघर्ष किया है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है,जिला अध्यक्ष नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने यह बात चेन्नूर नगर कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कही। आगामी नगर पालिका चुनावों के मद्देनज़र आयोजित इस बैठक में जिला प्रमुख महासचिव दुर्गम अशोक की उपस्थिति में भाजपा के इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन प्राप्त किए गए। इस अवसर पर गौड़ ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सिद्धांत और जनता की सेवा के लिए काम करते हैं। उन्होंने अन्य दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता जिस भी पार्टी की सत्ता होती है, उसी का झंडा थामकर अपने स्वार्थ साधते हैं और जनता को गुमराह करते हैं। चेन्नूर की जनता ऐसे अवसरवादी नेताओं को पहचानें और निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं का साथ दें। गौड़ ने बताया कि चेन्नूर नगर में सब्ज़ी मार्केट, बस डिपो, राजस्व मंडल कार्यालय, सरकारी अस्पताल, पेयजल सुविधा और फायर स्टेशन की स्थापना के लिए भाजपा ने लगातार संघर्ष किया है। बस डिपो की मांग को लेकर भाजपा नेताओं ने मंचेरियाल तक पदयात्रा भी की थी, जिसे चेन्नूर की जनता आज भी याद रखे। इस कार्यक्रम में नगर भाजपा अध्यक्ष तुम्म श्रीपाल, जिला पूर्व उपाध्यक्ष रापर्थी वेंकटेश्वर, गर्रेपल्ली वेंकट नरसैया, कम्मल श्रीनिवास, पूर्व कोटापल्ली अध्यक्ष मंत्री रामैया, एतम शिवकृष्ण, कायित वेंकटेश, महिला नेता श्रावणी, स्वरूपा सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

बेल्लमपल्ली पुलिस के तत्वावधान मे सड़क दुर्घटना पर जागरूकता कार्यक्रम

मनोज कुमार पांडेय

बेल्लमपल्ली 21 जनवरी : बेल्लमपल्ली नगर में सड़क दुर्घटना कम करने और युवाओं को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता करने के लिए, बेल्लमपल्ली वन टाउन पुलिस डिपार्टमेंट ने प्रगति जूनियर कॉलेज में सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम आयोजित किया. इस अवसर पर वन टाऊन सीआई के.श्रीनिवास राव ने प्रगति जूनियर कॉलेज प्रिंसिपल श्रीनिवास कॉलेज संकाय, छात्र (लड़के और लड़कियों को इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे मे बताया.सड़क सुरक्षा पर युवाओं में जागरूकता पैदा करना, दुर्घटनाओं के कारण होने वाले जोखिमों को समझाया, सुरक्षित यात्रा की आदत डालना,हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य है, शराब के प्रभाव में वाहन चलाने की अनुमति नहीं है. गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना निषिद्ध है. पैदल चलने वालों को रास्ता देने का अधिकार दिया जाना चाहिए,गति सीमा का

पालन किया जाना चाहिए,
वाहन को ओवरलोड नहीं किया जाना चाहिए, उन्होंने बताया, सड़क दुर्घटना सिर्फ़ पर्सनल नुकसान नहीं, ये परिवारों और समाज के लिए एक गंभीर नुकसान हैं.
युवा भविष्य हैं. उन्हें सड़क सुरक्षा को फ़ॉलो करके समाज के लिए एक मिसाल कायम करनी चाहिए. 'अराइवअलाइव' का मतलब है, आपका सुरक्षित पहुँचना आपके हाथ में है.
इस कार्यक्रम के तहत, कॉलेज के नोटिस बोर्ड, दूसरे सरकारी ऑफ़िस और बेल्लमपल्ली शहर की ज़रूरी जगहों की दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए और छात्रों से सड़क सुरक्षा का पालन करने का वादा किया.

तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन

निज़ामाबाद में बड़ा ब्लड डोनेशन कैंप लगाया

नेशनल रोड सेफ्टी महीने के मौके पर, तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने मिलकर आज निज़ामाबाद डिपो 1 में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया।

ब्यूरो/ अनंतोजी कालीदास

नेशनल रोड सेफ्टी महीने के मौके पर, तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने मिलकर आज निज़ामाबाद डिपो 1 में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया। लोगों की हेल्थ की सुरक्षा के मकसद से, तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (TGSRTC) ने निज़ामाबाद रीजन की देखरेख में ब्लड डोनेशन कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। निज़ामाबाद-1 डिपो परिसर में आयोजित इस कैंप में अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ ने उत्साह से हिस्सा लिया और अपनी मर्ज़ी से ब्लड डोनेट किया।
इस मौके पर बोलते हुए, अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कैंप इमरजेंसी में खून की ज़रूरत वाले मरीज़ों के लिए जान बचाने वाले होते हैं। उन्होंने हर हेल्दी इंसान से आगे आकर ब्लड डोनेट करने की अपील की।
कैंप में डॉक्टरों की देखरेख में ब्लड इकट्ठा किया गया, ज़रूरी मेडिकल टेस्ट किए गए और ब्लड डोनर्स को स्नैक्स दिए गए। ऑर्गनाइज़र और निज़ामाबाद रीजन मैनेजर श्रीमती। टी. ज्योसना ने इस ब्लड डोनेशन कैंप के सफल आयोजन में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।
TGSRTC अधिकारियों ने कहा कि ऐसे समाज सेवा के प्रोग्राम भविष्य में भी जारी रहेंगे।
डिप्टी रीजनल मैनेजर श्री एस. मधु सूदन, निज़ामाबाद-1 डिपो मैनेजर, अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

सड़क सुरक्षा के लिए 'अराइव-अलाइव' अभियान, पुलिस कमिश्नर का जनसहयोग का आह्वान

पवन बजाज

मंचेरियालः रामगुंडम पुलिस कमिश्नर श्री अंबर किशोर झा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी लोगों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। तेलंगाना सरकार के 'अराइव-अलाइव' अभियान के तहत बुधवार को मंथनी डीसीपी कार्यालय में मीडिया आउटरीच डे कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डीसीपी एग्गडी भास्कर की अध्यक्षता में वॉल पोस्टरों का विमोचन किया गया।
कमिश्नर ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन करना सामाजिक जिम्मेदारी है। हेलमेट न पहनना, शराब पीकर वाहन चलाना, तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना और मोबाइल का उपयोग सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए इंजीनियरिंग, जागरूकता और कड़े प्रवर्तन की तीन-स्तरीय नीति अपनाई जा रही है।
उन्होंने मीडिया से अपील की कि सड़क सुरक्षा संदेशों को जन-जन तक पहुंचाकर अराइव-अलाइव के लक्ष्य को सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करें कहा है.

नगर परिषद सोहना में नए कार्यकारी अधिकारी सुनील रंगा का कोली सभा द्वारा भव्य स्वागत

एजेंसी

सोहना, 21 जनवरी- आज नगर परिषद सोहना में कोली सभा रजिस्टर्ड सोहना जिला गुरुग्राम हरियाणा द्वारा नगर परिषद सोहना में श्री सुनील कुमार रंगा जी को नए कार्यकारी अधिकारी नियुक्त होने पर सोहना में कोली सभा के सभी पदाधिकारी गण के साथ कोली समाज के कुछ गण मान्य व्यक्तियों ने साथ मिलकर नगर परिषद में कार्यरत श्री सुनील रंगा जी का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर लड्डू खिलाकर और कोली सभा की तरफ से उन्हें स्वागत पत्र देखकर अभिनंदन किया स्वागत किया और सर्व समाज ने आग्रह किया है कि नगर परिषद क्षेत्र में आने वाले सभी 21 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कराया जाएगा कार्यकारी अधिकारी के साथ बैठकर मीटिंग भी की मीटिंग मै कोली समाज समाज के लोगों ने सोहना शहर में कहीं पर भी एक भव्य कोली चौपाल बनाने का

आग्रह किया और वार्ड नंबर 14 में पुरानी खंडहर चौपाल को रिपेयर करने बारे में भी बात रखी कार्यकारी अधिकारी जी ने कोली समाज को पूरा आश्वासन दिया है कि दिया है मैं इस बारे में अपने कार्यालय के कर्मचारियों से विचार विमर्श करूंगा इसके बाद दलीप सिंह लंबरदार वार्ड नंबर एक मोहम्मदपुर गुर्जर ने आग्रह किया है कि भारत सरकार की योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूरे सोहना सहित मोहम्मदपुर गुर्जर गांव में काफी सारे मकान नगर परिषद के अधीन बनाए गए हैं जो की अभी तक भी अधूरे पड़े हैं किसी आदमी की पहली किस्त मिली है और किसी को दूसरी किस्त मिली है आधे से ज्यादा लोगों को फाइनल यानी की तीसरी किस्त पचास हजार की अभी तक भी नहीं मिल पाई है जिससे लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लोगों को आधे अधूरे बने अपने मकान में बिना किसी प्लास्टर के रहना पड़ रहा है इस बारे में भी कार्यकारी अधिकारी जी ने कहा है कि मैं इसकी तुरंत जांच करता हूं जो जायज होंगे उनको तुरंत प्रभाव से जो किस्त बनती है उनकी दिलाई जाएगी नगर परिषद की तरफ से कोई कमी आने नहीं दी जाएगी स्वागत समारोह के दौरान कोली सभा के प्रधान श्री श्यामलाल सहरावत जी उप प्रधान दलीप सिंह लंबरदार.सचिव मास्टर भगवत दयाल जी. पूर्व प्रधान श्री सुभाष कोली जी. श्री जगदीश चंद्र यदुवंशी पूर्व लेखा अधिकारी. रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर बी.एस.एफ श्री रणवीर सिंह. श्री प्रेमपाल लंबरदार जी. श्री महेंद्र डगर मनोनीत पार्षद. श्री कुलदीप सिंह जी. श्री इसब जी. श्री रतन सिंह फौजी जी. मनोज कुमार जी सचिन कुमार जी. श्री पप्पी खाईका गांव. श्री प्रभाती लाल सहरावत आदि कोली सभा वह कोली समाज के लोगों ने कार्यकारी अधिकारी श्री सुनील रंगा जी का स्वागत किया और सोहना शहरी क्षेत्र में रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने की उम्मीद जाहिर की .

नगरपालिका पार्षदों ने सौतेले व्यवहार का लगाया आरोप, एडीसी से मिलकर रखीं 9 सूत्रीय मांगें

एजेंसी

तावडू, 21 जनवरी - नपा पार्षदों ने शहर प्रशासन पर सौतेला व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्षदों का कहना है कि आमजन की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में न तो उन्हें जानकारी दी जाती है और न ही उनकी समस्याओं पर समय रहते कार्रवाई होती है। इन्हीं मांगों को लेकर असंतुष्ट पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल जिला नगर आयुक्त एवं एडीसी से मिला और एक ज्ञापन सौंपा।
पार्षदों ने ज्ञापन में बताया कि वार्डों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है, लेकिन नियमित रूप से सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की जा रही। इसके अलावा नगरपालिका के पास उपलब्ध नई स्ट्रीट लाइटें समय पर वार्डों में नहीं लगाई जा रहीं,

जबकि खराब पड़ी लाइटों को भी बदला नहीं जा रहा है।पार्षदों ने यह भी मांग की कि नगरपालिका में आने वाले फंड की पूरी जानकारी सभी पार्षदों को सार्वजनिक रूप से दी जाए और जिन विकास कार्यों के वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाए। उन्होंने पूर्व में लगभग 17 लाख रुपये के पेचवर्क टेंडर के भुगतान पर रोक लगाने और करीब 21 लाख रुपये के नए पेचवर्क टेंडर को रद्द करने की भी मांग की। इसके साथ ही पार्षदों ने प्रत्येक माह हाउस की बैठक आयोजित करने, नगरपालिका द्वारा किए जाने वाले सभी खर्चों की जानकारी पार्षदों को देने, तथा चेयरमैन कार्यालय में केवल चेयरमैन की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग उठाई। पार्षदों का आरोप है कि नगरपालिका के सचिव और एमई द्वारा उनके साथ भेदभाव किया जाता है और किसी भी कार्य के लिए बार-बार चक्कर लगवाए जाते हैं।

मांगों को लेकर एडीसी से मुलाकात के दौरान पार्षदों ने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। इस पर एडीसी ने पार्षदों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। पार्षदों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई करेगा, जिससे नगरपालिका तावडू में पारदर्शिता बढ़ेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

पद्मशाली समाज के तत्वावधान मे धूम धाम से मनाया भक्त मार्कण्डेय जन्मोत्सव

मनोज कुमार पांडेय

बेल्लमपल्ली 21 जनवरीः स्थानीय पद्मशाली समाज के तत्वावधान मे बाबू कैंप शिव भक्त मार्कंडेय मंदिर में बुधवार भक्त मार्कंडेय जन्मोत्सव के मौके पर मंदिर में महा मृत्युंजय हवन, उपस्थित भक्तों के लियाना अन्न प्रसाद का इंतजाम किया.

इस कार्यक्रम मे समाज के लोग शामिल होक कार्य संपन्न किया.

जनतंत्र की खोखल, तानाशाह की जीत !

>> विचार

“ उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक और दलित तथा अन्य कमजोर जातियों व महिलाओं के नाम काटे जाने की खबरें आने के साथ-साथ, मुस्लिम बस्तियों में रहने वालों के पतों पर, बड़ी संख्या में अनजाने हिंदुओं के नाम मतदाता सूचियों में जोड़े जाने की खबरें आ रही हैं। उधर राजस्थान से एक हिंदू मतदाता सूची अधिकारी का वीडियो संदेश सोशल मीडिया में वाइरल हो रहा है, जिसमें यह अधिकारी इसकी धमकी दे रहा है कि अगर उस पर मुसलमानों के नाम काटने और दबाव डाला गया तो, वह आत्महत्या कर लेगा।

राजेंद्र शर्मा

नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने आने वाले विधानसभाई चुनावों के लिए अपना अश्वमेध का घोड़ा छोड़ दिया है। यह दूसरी बात है कि चुनाव आयोग ने अभी तक चुनाव की तारीखों का एलान तक नहीं किया है। अनुमान है कि अप्रैल में होने वाले चुनावों के लिए, फरवरी के दूसरे पखवाड़े में चुनाव आयोग किसी समय चुनाव की तरीखों की घोषणा कर सकता है। यानी यह वह अंतराल है, जिसमें सत्ताधारी पार्टी को आधिकारिक रूप से सत्ता के चुनावी दुरुपयोग से अपने चुनावी एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए खुली छूट मिली रहती है। वैसे याद रखने वाली बात यह भी है कि केंद्र सरकार उर्फ सत्ताधारी पार्टी के इशारे पर, और खासतौर पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार की सुविधाओं का ज्यादा से ज्यादा ध्यान रखकर, चुनाव आयोग के चुनाव की तारीखों का एलान करने बाद, विधिवत चुनाव प्रचार का जो दौर शुरू होता है, उसमें भी कौन-सा सत्ताधारी पार्टी और उसके स्टार प्रचारकों को, किसी तरह की रोक-टोक का सामना करना पड़ता है। चुनाव आयोग ने निष्पक्षता की अपनी चदरिया जिस तरह से उतार कर रख दी है और जिस तरह आयोग वर्तमान सत्ताधारी पार्टी के शिविर का हिस्सा बन गया है, उसके बाद तो चुनाव की तारीखों के एलान से पहले और उसके बाद के दौर में, व्यावहारिक मायनों में शायद ही कोई अंतर रह गया है। और चूंकि मोदी-शाह की जोड़ी तो हमेशा ही चुनाव के मोड में रहती है, उसके लिए तो यह विभाजन और भी आभासी है। फिर भी बाकायदा चुनाव प्रचार शुरू होने से लेकर मतदान तक के दौर और उससे पहले के दौर में, एक अवधारणात्मक अंतर तो अब भी बचा ही है। लेकिन, हमेशा से ऐसा ही नहीं था। बेशक, नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने और आम तौर न्यायपालिका से लेकर चुनाव आयोग तक, राज्य के स्वतंत्र स्तंभों से लेकर सभी संवैधानिक संस्थाओं तक पर, कार्यपालिका की ताकत के बल पर, तमाम वैध-अवैध तरीकों से तेजी से कब्जा कर लिया गया है। लेकिन, इससे पहले तक हमारी चुनाव व्यवस्था के विकास की दिशा इससे ठीक उल्टी थी। बेशक, चुनाव प्रणाली पूरी तरह से दोषमुक्त तो शायद कभी भी नहीं थी, फिर भी उसके विकास की दिशा चुनावों को ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी बनाने की ओर थी। यहां तक कि पिछली सदी के आखिरी दशक में तो टीएन शेषन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और स्वतंत्र व निष्पक्ष बनाने के लिए मजबूत शुरूआतें भी की थीं, जिनमें आदर्श चुनाव संहिता का लागू किया जाना भी शामिल था। और इसके लिए उन्होंने लड़कर कार्यपालिका से चुनाव आयोग की निष्पक्षता हासिल की थी, जो कि चुनाव प्रक्रिया की तमाम निष्पक्षता की बुनियाद है। लेकिन, अब चुनाव प्रक्रिया के विकास की उस दिशा को पूरी तरह से ही पलटा जा चुका है। उल्टे चुनाव प्रक्रिया पर पूरी तरह से कार्यपालिका का नियंत्रण स्थापित कराया जा चुका है। और इस उल्टी यात्रा में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, जनतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के आश्वासनों को अधिक से अधिक खोखला करने के लिए, नित नये-नये तजुर्बे किए जा रहे हैं। एसआइआर या मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण, ऐसा ही ताजातरीन एक्सपेरीमेंट है, जिसने चुनाव प्रक्रिया को जनता की राय जानने की प्रक्रिया के बजाए, शासन की मर्जी से मतदाताओं के ही छांटे जाने की प्रक्रिया बनाए जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यह खतरा कितना वास्तविक है, इसका अंदाजा जिन राज्यों में इस समय यह प्रक्रिया चल रही है, वहां इस प्रक्रिया को मतदाताओं की टार्गेटेड छंटनी का हथियार बनाए जाने की हर रोज आ रही खबरों से लगाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक और दलित तथा अन्य कमजोर जातियों व महिलाओं के नाम काटे जाने की खबरें आने के साथ-साथ, मुस्लिम बस्तियों में रहने वालों के पतों पर, बड़ी संख्या में अनजाने हिंदुओं के नाम मतदाता सूचियों में जोड़े जाने की खबरें आ रही हैं। उधर राजस्थान से एक हिंदू मतदाता सूची अधिकारी का वीडियो संदेश सोशल मीडिया में वाइरल हो रहा है, जिसमें यह अधिकारी इसकी धमकी दे रहा है कि अगर उस पर मुसलमानों के नाम काटने और दबाव डाला गया तो, वह आत्महत्या कर लेगा। और पश्चिम बंगाल में तो, जहां मतदाता सूची के काम में लगे अधिकारियों की चिंताजनक रूप से बड़ी संख्या में आत्महत्याओं ने इसे राजनीतिक बहस का मुद्दा ही बना दिया है, भाजपा नेताओं की गाड़ियों में हजारों की संख्या में, मतदाताओं के नाम काटे जाने के प्रपत्र पकड़े गए हैं। यह लक्षित तबकों या संभावित रूप से विरोधी मतदाताओं के नाम कटवाने के संगठित खेल की कहानी कहता है। राजस्थान में भी, पहले चरण में नहीं काटे जा सके, राजनीतिक विरोधी व अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए, डेढ़ लाख से ज्यादा परिपत्र मशीनों की मदद से जमा कराए जाने के उदाहरण सामने आये हैं। पाठकों को याद दिला दें कि संगठित तरीके से और औद्योगिक पैमाने पर, वर्तमान मतदाताओं के नाम कटवाने का यह खेल सबसे पहले राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले पकड़ा गया था, जिसे भाजपा-विरोधी पार्टियों के हो-हल्ला करने के बावजूद, चुनाव आयोग ने बहुत हद तक अनदेखा ही कर दिया था। बाद में संभावित रूप से विरोधी वोटों की कटाई के साक्ष्ययुक्त भंडाफोड कर्नाटक के मामले में देश ने देखा। दूसरी ओर, महाराष्ट्र तथा हरियाणा आदि में मुख्यतः फर्जी मतदाता जोड़े जाने के जरिए, मतदाता सूचियों में धांधली के भंडाफोड़ देश ने देखे। खैर, सत्ता पक्ष के अश्वमेध के घोड़े पर लौटें, जिसे पांच विधानसभाओं के आने वाले चुनावों में जीत के लिए छोड़ा जा चुका है। जैसाकि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है, इस घोड़े ने दो प्रकार के बड़े उल्लंघनों से यह अभियान शुरू किया है, लेकिन चुनाव आयोग को इन उल्लंघनों के दिखाई देने का कोई सवाल ही नहीं उठता है। पहला उल्लंघन सांप्रदायिक डॉग व्हिसलिंग का बड़े पैमाने पर सहारा लिया जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने और उनसे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने, प. बंगाल तथा असम के अपने सघन दौरों में, तथाकथित घुसैठियों के मुद्दे को अपने प्रचार के मुख्य राजनीतिक मुद्दे के तौर पर विशेष जोर देकर उछाला है। जैसाकि हमने अपने पिछले लेख में रेखांकित किया था, मोदी-शाह जब घुसपैठियों की बात करते हैं, तो उनके निशाने पर तमाम मुसलमान होते हैं। संघ परिवार की शब्दावली में घुसपैठिया, मुस्लिम का पर्यायवाची शब्द ही है। उनकी बोली में इन शब्दों की समानार्थकता कितनी गहरी है, इसे इसी सचाई से समझा जा सकता है कि उनकी परिभाषा के अनुसार, सिर्फ मुसलमान को ही 'घुसपैठिया माना जा सकता है। चाहे दूसरे किसी देश से अवैध रूप से ही आया हो, हिंदू तो शरणार्थी ही माना जाएगा! नागरिकता संशोधन कानून या सीएए के जरिए मोदी सरकार, इस बंटवारे को कानूनी रूप भी दे चुकी है और एक वैधानिक फर्जीवाड़े के जरिए, बिना संशोधन के ही संविधान के धर्मनिरपेक्ष आधार में यानी नागरिकता की परिभाषा में संशोधन भी कर चुकी है। फिर भी हमें मानना पड़ेगा कि 2024 के आम चुनाव से अब तक, अति-उपयोग से इस उल्लंघन की कहानी, घिसकर काफी भोंथरी भी हो चुकी है और उसे पूरी तरह से अनदेखा करने के हिसाब से, चुनाव आयोग से लेकर मीडिया तक की खाल ठीक-ठाक मोटी भी हो चुकी है। इन दौरों में लगातार किया जाता दूसरा बड़ा उल्लंघन, जिसके चुनाव आयोग को नजर ही नहीं आने की बात तो छोड़ ही दें, विपक्ष तक उसे मुद्दा बनाना भूल चुका है, मोदी-शाह की जोड़ी द्वारा सरकारी खजाने और सरकारी योजनाओं का, अपने निजी चुनावी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जाना है। इसे साधा गया है, सरकारी योजनाओं की घोषणाओं को, मतदाताओं पर निजी उपकार में तब्दील करने के जरिए। नरेंद्र मोदी ने जैसे चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले के दो-तीन महीनों के अपने सरकारी कार्यक्रम के नाम पर चुनावी दौरों में, सरकारी योजनाओं के ऐलानों को नया नॉर्मल ही बना दिया है। यह वास्तव में अधिकार संपन्न नागरिकों को, सारी संप्रभुता समेटे शासक की कृपा पर निर्भर, प्रजा बनाकर रखे जाने का ही नया नॉर्मल है। यह वह मुकाम है, जहां न सिर्फ सत्ताधारी वोट के जरिए अपना लंबे समय तक सत्ता में बने रहना सुनिश्चित कर सकता है, यह भी सुनिश्चित कर सकता है कि जनतंत्र के अर्थ में चुनाव का कोई अर्थ ही नहीं रह जाए है। अगर जनतंत्र को फासीवादी तानाशाही का खोल भर बनकर रह जाने से बचाना है, तो सत्ताधारियों के साथ मिलीभगत किए बैठा चुनाव आयोग देखे या नहीं देखे, सुने या नहीं सुने, जनतंत्र के एक-एक उल्लंघन का तब तक हिसाब मांगना होगा, जब तक यह लोगों के नागरिक की अपनी पहचान के पुनराविष्कार का महत्वपूर्ण साधन नहीं बन जाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं।)

संपादकीय

दोषी को कठोर सजा मिले

भारत में लोग सरकारी लापरवाही से होने वाली भयानक दुर्घटनाओं के आदी हो चुके हैं। फिर भी नोएडा में 27 साल के युवक की मौत ने सभी को झकझोर दिया है।यह हादसा इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि इसे आसानी से रोका जा सकता था। अब एक जांच समिति बनाई गई है। यह वही पुरानी प्रक्रिया है-जांच, अफसोस जताना और परिवार को मुआवजा देना।लेकिन सवाल यह है कि क्या यह मामला भी भुला दिया जाएगा? जैसे दिल्ली में तहखाने में डूबे तीन छात्र,सूरत में आग से मरे 22 बच्चे,घर के बाहर खुले नाले में गिरे छोटे बच्चे,या हर दिन बिजली के झटके से मरने वाले लोग।क्या बिना ठोस कदम उठाए ऐसी मौतें यूँ ही होती रहेंगी? नोएडा की इस दुर्घटना में "पानी में फँस जाना" सिर्फ़ पानी नहीं था, बल्कि प्रशासन की बड़ी लापरवाही थी।एक युवक धुंध भरी रात में घर जा रहा था। सड़क पर अंधेरा था और सड़क ठीक से बनी नहीं थी।सड़क पर 90 डिग्री का बहुत तीखा मोड़ था।उस मोड़ के पास 20ग्30 फीट गहरा गड्ढा था, जो एक मॉल के लिए करीब 10 साल पहले खोदा गया था।समय के साथ वह गड्ढा तालाब बन गया, क्योंकि आसपास की सोसाइटियों का बारिश और गंदा पानी वहीं जमा होता रहा। प्रशासन 11 साल से यह सब जानता था, फिर भी कोई समाधान नहीं किया गया।यह जगह बहुत खतरनाक थी और स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन प्रशासन ने नागरिकों की बात पर ध्यान नहीं दिया। हादसे के बाद पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा राहत टीम समय पर योजना नहीं बना सकीं।उनके पास न सही उपकरण थे, न प्रशिक्षण, न स्पष्ट योजना।दो घंटे से ज़्यादा समय बर्बाद हुआ, जबकि एक जिंदगी दांव पर थी।यह सिर्फ़ एक हादसा नहीं, बल्कि पूरे देश की व्यवस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। किसी की जवाबदेही तय नहीं होती।सरकारी लापरवाही से होने वाली मौतों का अलग रिकॉर्ड तक नहीं रखा जाता। सरकारी लापरवाही से हुई मौतों को अलग से दर्ज किया जाना चाहिए।दोषी अधिकारियों के नाम सामने लाए जाने चाहिए।तभी शर्म और दबाव से व्यवस्था में बदलाव आ सकता है।तथा दोषी को कठोर सजा मिलना चाहिए।

न अस्पताल मंदिर रहे, न डॉक्टर ही भगवान

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों एक बड़े चैनल की साइट पर भारत की संसदीय कमेटी की रिपोर्ट के बारे में पढ़ा। इसमें शोध करके बताया गया था कि भारत में चवालीस प्रतिशत ऑपरेशन अनावश्यक होते हैं। इसके अनुसार कैंसर के सैंतालीस प्रतिशत, पचपन प्रतिशत दिल, अड़तालीस प्रतिशत गर्भाशय, अड़तालीस प्रतिशत घुटना प्रत्यारोपण, पैंतालीस प्रतिशत सिजेरियन, कंधे का प्रत्यारोपण और रीढ़ की हड्डी के आपरेशन बिना किसी जरूरत के किए जाते हैं। अफसोस की बात यह है कि जो मीडिया बहुत मामूली बातों पर इतना हाहाकार मचाता है, नफरत के बीज भी बोता है, किसी एक दुर्घटना पर आंसू बहाता है, वहां इस रिपोर्ट की कोई चर्चा नहीं देखी गई। जबकि यह इस देश की समूची जनसंख्या के हितों से जुड़ी थी। आखिर हारी-बीमारी तो हर मनुष्य के जीवन में आती है। पहले कहा जाता था कि अगर आपका अपना डाक्टर किसी रोग को ठीक नहीं कर पाता, तो अस्पताल चलो। वहां रोग का सही निदान किया जा सकता है। लेकिन उन अस्पतालों को क्या कहा जाए, जो मरीज की बेबसी का फायदा उठाते हैं। बहुत से डाक्टर यदि अस्पतालों की इस मुनाफाखोरी में शामिल नहीं होते, तो उन्हें हटा दिया जाता है। कुछ साल पहले गाजियाबाद में डाक्टर ने एक मरीज से कह दिया कि उसे कोई गम्भीर बीमारी नहीं है। अस्पताल प्रबंधन ने डाक्टर को हटा दिया। जब से अस्पतालों में मार्केटिंग का प्रवेश हुआ है, तो डाक्टरों को दिए गए टारगेट्स को पूरा करना पड़ता है। इसमें अधिक से अधिक मरीजों को लाना, जिन टेस्ट्स की जरूरत नहीं, उन्हें लिखना, मरीज की मृत्यु के बाद भी इलाज के नाम पर उसे भर्ती किए रहना, आदि बातें शामिल हैं। बीमा कम्पनियां इस बात की शिकायत भी कर चुकी हैं कि जब तक मेडिक्लेम का पूरा पैसा अस्पताल नहीं वसूल लेते, वे मरीज को लटकाए रखते हैं। कुछ सालों में गुड़गांव से दो खबरें आ चुकी हैं। ये किसी मीडिया में न आकर फेसबुक पर देखी गई थीं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एक लड़की बुखार के कारण अपने पति को अस्पताल ले गई । डाक्टर रात भर उसके टेस्ट्स करवाते रहे और अगले दिन दस लाख रुपए का बिल थमा दिया गया। इसी तरह गुड़गांव के एक बहुत मशहूर अस्पताल के बारे में एक व्यक्ति ने लिखा कि वह दिल के इलाज के लिए दाखिल हुआ। उसे बताया गया कि उसके दो वॉल्व बदलने पड़ेंगे। पैसे जमा करवा दें। लेकिन तभी उसे बुखार आ गया। बुखार में ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। चूंकि कमरे का किराया बहुत ज्यादा था, तो मरीज एक होटल में चला गया। वहां उसका एक मित्र आया। मरीज ने उसे बताया कि पहले वह जहां इलाज करा रहा था, वहां तो बताया था कि उसका एक ही वॉल्व खराब है, जबकि यहां दो वाल्व बदलने पड़ेंगे। मित्र उसे एक दूसरे अस्पताल में ले गया। वहां कहा गया कि उसका एक ही वॉल्व बदलना पड़ेगा। जब मरीज ने आकर इस मशहूर अस्पताल के डाक्टर को बताया तो उसने सिर पर हाथ मारते हुए मालिक जो खुद भी बहुत मशहूर डॉक्टर हैं, उनके बारे में कहा कि मैंने उससे मना किया था, मगर वह नहीं माना। ऐसा ही एक किस्सा लखनऊ के एक अस्पताल बारे में बताया गया। यहां एक मरीज गैस की समस्या के कारण भर्ती हुआ। उससे कहा गया कि दिल का ऑपरेशन करना पड़ेगा। आठ लाख रुपए जमा कराए। मरीज वहां से जाने लगा, तो उसके साथ अभद्रता भी की गई। खैर, वहां से वह एक दूसरी जगह पहुंचा और दो सौ रुपये की दवा में ठीक हो गया। यहां तक कि बहुत से डाक्टर वे दवाएं लिखते हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। वे या तो उसी अस्पताल में मिलती हैं या किन्हीं खास दुकानों पर। मरीज को इसमें भी लूट का सामना करना पड़ता है। महाराष्ट्र के अस्पतालों के एक सर्वे में पाया गया था कि बड़े अस्पतालों में डॉक्टरों का वेतन करोड़ों रुपये होता है। इसका कारण भी यही होता है कि जो डॉक्टर अधिक से अधिक मरीजों को भर्ती करते हैं, बिना जरूरत टेस्ट और ऑपरेशन करवाते हैं, उनका वेतन बढ़ता जाता है। मृत मरीजों को वेंटिलेटर पर दिखाकर, उसके परिजनों से खूब पैसा वसूला जाता है। एक मृत बच्चे को एक माह तक वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाद में शिकायत करने पर अस्पताल ने उसके परिजनों को पांच लाख रुपये वापस किए थे। कई बार मृत मरीजों पर ऑपरेशन का नाटक करके पैसे वसूले जाते हैं और कह दिया जाता है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई। बहुत सी इंश्योरेंस कम्पनियां भी भारी घोटाले की दोषी पाई गईं। अपने यहां अड़सठ प्रतिशत लोगों के पास बीमा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कम्पनियां कोई न कोई बहाना करके पैसे देने से इनकार कर देती हैं। कई बार अस्पतालों की मिलीभगत से अंगों को निकालने और लगाने के रैकेट्स भी पकड़े गए हैं। यही नहीं, मुम्बई के एक बहुत बड़े अस्पताल के बाहर डाक्टरों के लिए रेट लिस्ट लगी हुई है कि जो डॉक्टर जितने अधिक मरीज लाएगा, उसे कितना कमीशन दिया जाएगा। टेस्ट्स और दवाओं पर भी भारी-भरकम कमीशन मिलता है। जिन दवाओं की कीमत कुछ सौ में होती है, उन्हें हजारों में वसूला जाता है। मशहूर पत्रकार स्वर्गीय आलोक तोमर ने अपने कैंसर इलाज के दौरान, इन बातों का भंडाफोड़ बहुत विस्तार से किया था। इस मामले में विदेशी कम्पनियां भी पीछे नहीं हैं। यदि कोई दवा किसी रोग को खत्म कर सकती है, तो उसे कभी बाजार में नहीं लाया जाता। एक मशहूर दवा कम्पनी के भूतपूर्व कर्मचारी ने लिखा था कि हमने दवाएं नहीं बाजार खोजे। यदि कोई दवा अस्थमा को तीन दिन में ठीक कर सकती थी, तो हमने उसे नष्ट कर दिया। यही बात अन्य रोगों के बारे में भी है। रोग को मिटाना नहीं है, उसे बनाए रखना है, जिससे कि आदमी जीवनभर दवा खाता रहे। कम्पनियां मुनाफा कमाती रहें। एक वैज्ञानिक ने डायबिटीज की दवा बनाने वाली एक मशहूर कम्पनी से कहा कि वह इस रोग को खत्म कर सकते हैं। दवा कम्पनी की मालकिन बोली-तब हम क्या करेंगे। जिस अस्पताल को मरीज मंदिर और डाक्टर को भगवान मानकर जाता है, वहां उसके साथ किसी कसाई की तरह बर्ताव होता है, लेकिन हमारे नीति नियंताओं को फर्क नहीं पड़ता। ऐसे अस्पतालों और डाक्टरों का लाइसेंस क्यों निरस्त नहीं किया जाता। डाक्टरों से जुड़ी संस्थाएं क्यों इस तरफ ध्यान नहीं देतीं। बल्कि जो भी आल्टरनेटिव थैरेपीज हैं, जैसे कि आर्युवेद, होमियोपैथी, जान-बूझकर उनके खिलाफ अभियान चलाया जाता है। अस्पताल बिना राजनीतिक, पुलिस, प्रशासन के सपोर्ट के चल नहीं सकते। ये लोग आंख मूंद लें, तो फिर मरीज की सुने भी कौन। जनता की सेवा के दिखावे के नाम पर कैसे उसे ठगा जा रहा है, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं। यदि आप साधन सम्पन्न हैं तो किसी की जिंदगी से खेलने, इलाज के नाम पर लूटने का लाइसेंस भी प्राप्त है। आखिर कब तक। ये तो कुछ किस्से हैं , जो सामने आ गए। इस इतने बड़े देश में ऐसी अनगिनत घटनाएं होंगी, जो कभी सामने नहीं आएंगी।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस तस्वीर में दो गांधी हैं

डॉ. देवेन्द्र नाथ तिवारी

इस तस्वीर में दो गांधी हैं- एक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और दूसरे हैं खान ग़फ़्फ़ार ख़ान जिन्हें 'सीमांत गांधी' भी कहा जाता है। खान साहब बंटवारे से काफ़ी दुखी थे। वे भारत के साथ रहना चाहते थे, लेकिन भूगोल ने उन्हें मारा और वे चाहते हुए भी भारतीय गणराज्य का हिस्सा नहीं बन पाये। बापू के सच्चे अनुयायी सीमान्त गांधी जब आखिरी बार मिले तो बापू ने खान से कहा - अब भारत का मोह त्याग दो, अपने देश की सेवा करो। यह अंदाजा लगाना आसान नहीं है कि क्या गुजरा होगा दोनों के दिल में। वही सीमान्त गांधी पाकिस्तान में ता उम्र कैद रहे। ख़ान साहब की क़द काठी काफ़ी लम्बी थी। वे जब बापू के सेवाग्राम आश्रम में मिलने के लिए आए तो उनकी लम्बाई के हिसाब से आश्रम के एक हिस्से में द्वार का निर्माण किया गया। ताकि उन्हें असुविधा ना हो। 1969 बापू का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा था। भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विशेष आग्रह पर इलाज के लिए भारत आये। हवाई अड्डे पर उन्हें लेने इंदिरा जी और जेपी गए। खान साहब जब हवाई जहाज से बाहर आये तो उनके हाथ में एक गठरी थी। मिलते ही इंदिरा जी ने हाथ बढ़ाया उनकी गठरी की तरफ- इसे हमें दीजिये, हम ले चलते हैं। खान साहब ठहरे, बड़े ठंडे मन से बोले... यही तो बचा है, इसे भी ले लोगी? बटवारे का पूरा दर्द खान साहब की इस बात से बाहर आ गया। जेपी और इंदिरा जी दोनों ने सिर झुका लिया। दोनों की आँखें भींगी हुई थी। 1985 में कांग्रेस स्थापना शताब्दी के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हे विशेष अतिथि के रूप मे पुनः आमंत्रित किया और इसके लिए तत्कालीन पाकिस्तान के तानाशाह जिया उल हक़ को उन्हे भारत आने की इजाजत देने के लिए कहा।जब बादशाह खान भारत आए तब भी उनके हाथों में वही पोटली थी। जो पिछली बार 1969 मे इंदिरा गांधी के आमंत्रण पर वो साथ लाये थे। राजीव गांधी इस पोटली के बारे जानते थे। उन्होंने बादशाह खान से कहा- आपने कभी बापू और इंदिरा जी को ये पोटली को हाथ भी नहीं लगाने दिया लेकिन अगर आप चाहे तो क्या मैं इस पोटली को देख सकता हूँ? बादशाह खान ने हँसकर अपने पठानी अंदाज़ मे कहा "तू तो अपना बच्चा है, देख ले, नहीं तो सभी सोचते होंगे पता नहीं बादशाह इस पोटली मे क्या छुपाए फिरता है।" जब राजीव गांधी ने पोटली खोली तो उसमें सिर्फ दो जोड़ी लाल कुर्ता-पाजामा थे। उन्हें 1987 में राजीव गांधी सरकार ने भारतरत्न से दिया। आज ही के दिन 20 जनवरी 1988 को बादशाह खान दुनिया से हमेशा के लिए रुख़सत हो गए। उन्होंने अपनी आधी से ज़्यादा ज़िंदगी जेल में गुज़ार दी। शायद ही कोई इतने लम्बे वक़्त जेल में रहा हो। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि खान अब्दुल ग़फ़्फ़ार खान को हमारी युवा पीढ़ी भूल गई है। इतिहास की पुस्तकों से इनसे संबंधित पाठ को हटा दिया गया है। इस देश में उनकी निशानी को देखें तो दिल्ली में उनके बड़े भाई के नाम पर खान मॉर्केट और सीमांत गांधी के नाम पर ग़फ़्फ़ार मॉर्केट मौजूद है। वे इकलौते पाकिस्तानी नागरिक हैं जिन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,वि. बुच्ची बाबू, द्वारा तनमाई प्रिंट्स, 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर,सैदाबाद हैदराबाद से मुद्रित," आकाश ज्योति " हिंदी दैनिक 17-1-469/ए/42/23,आदर्शनगर के निकट यूनिक ग्रामर स्कूल,सैदाबाद, हैदराबाद-500059 (टी.एस) से प्रकाशित R.N.I. No. APHIN/2000/4452, मुख्य संपादक वि. बुच्चि बाबुPh. No. 24075688, Fax : 91-040-24075688. E-Mail: info.southindiatimes@gmail.com. ,Contact :9000657700.

बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस पाना चाहते है तो अपनाए शहद

चेहरे के साथ-साथ बाल भी हमारी पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। इसके बिना हमारी खूबसूरती अधूरी सी लगती है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने से पहले ही हमें झड़ते बाल, रूखे-बेजान बाल, रूसी और खुजलीज्जैसी कई समस्याएं face करनी पड़ती हैं। अगर आप इसके लिए ढेर सारे उपाय भी कर चुके हैं और कोई फायदा नहीं हुआ, तो अब आजमाएं कुछ Natural। इसमे honey important रोल प्ले कर सकता है। ये आपके बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस ला सकता है।

1. बालों की लंबाई (Hair Growth)

शहद एक natural Antio&idant हैं। इससे scalp हेल्दी होते हैं और बालों की growth भी अच्छी होती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच शहद में एक चम्मच पुदीने का तेल और एक चम्मच नारयिर तेल मलिाएं। इस हेयर मास्क को गीले या सूखे बालों पर लगाएं। इसे थोड़ी देर बाद पानी में सेब का सरिका मलिाकर बाल धो लें। इसके बाद कंडीशनर लगाएं।

2. बालों को Highlight करना

बनिा कसिी हार्थ केमकिल का इस्तेमाल कएि भी आप अपने घने बालों को हाइलाइट कर सकती हैं। शहद में मौजूद ग्लोकज ऑक्सीडोज इसमें Natural तरीके से मदद करता है। इससे की में स्सा साफ पानी मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और बाद में इसे बालों पर 20 मनिट के लिए लगा कर छोड़ दें। बाद में इनहे कंडीशनर से धो लें। अगर आप Bride blond color चाहती हैं, तो इस मक्सिचर में नींबू मलिाएं। अगर Reddish Blonde चाहती हैं, तो इस मिश्रण में दालचीनी ए

शहद natural softener का भी काम करता है।

ये बालों को रुखा होने से बचाता है। High sugar content के कारण बालों को मजबूत बनाने में शहद अहम रोल अदा करता है। इसके लिए वर्जनि Olive oil में शहद मलाकर हल्का गर्म करें। इसे साफ बालों पर लगाएं। शॉवर कैप से बालों को कवर करें और 30 मनिट तक ऐसे ही छोड़ दें। ए धो लें।

4. बालों में Dandruff

शहद के anti bacterial गुणों के कारण ये ह्यष्ड्डद्यश्च को Infection और बैक्टीरया से भी बचाता है। इसका मतलब ये है द्धक इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ या खुजली आदकी परेशानी से भी नजिात मलिती है। इसके लिए शहद को पानी में मलिाकर scalp पर लगाएं। 2-3 घंटे बालों को ऐसे ही रहने दें। इसके बाद बाल धो लें। अगर बालों में चपिचपिहाट रहे, तो सेब के सरिके में पानी मलिाकर बाल धोएं।

5. बालों में Shine

शहद आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। अगर बाल dull, रुखे-सूखे और बेजान हैं, तो आप Honey पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पांच बड़े चम्मच शहद में दो कप पानी मलिाएं और साफ धुले हुए बालों पर इस मश्रिण को लगाएं। शॉवर कप लगाएं और 30 मनिट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बाल धो लें। आपको फर्क नजर आएगा।

सुंदरता का बहुत बड़ा राज छुपा है इन ब्यूटी फूड्स में..

हर कोई चाहता है की वो सुन्दर और खूबसूरत दिखे। इसके लिए वे कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आज हम आपको ब्यूटी प्रोडक्ट्स नही बल्कि ऐसे ब्यूटी फूड्स क बारे में बता रहे हैं जिन्हे रोजाना खाने से आप पा सकती हैं बेहद खूबसूरत और आकर्षक त्वचा।

आइए जाने किस फ़ूड में छुपा है सुंदरता का राज:

सेब

सेब हेल्थ के साथ सुंदरता के लिए बहुत लाभकारी है यह एक एंटीऑक्सीडेंट है जिसके सेवन से धूप से त्वचा का बचाव होता है और स्किन कैंसर के खतरे को भी रोकता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट, ग्रीन टी और रेड वाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे चेहरे पर अच्छा निखार आता है। इससे त्वचा में नमी आती है और धूप से झुलसी त्वचा को भी साफ़ करता है।

शकरकंद खाएं

शकरकंद में विटामिन ए पाया जाता है। यह एक एंटी रिंकल एजेंट है। इससे त्वचा कोमल बनती है।

दही का सेवन करे

रोजाना दही खाएं इससे त्वचा के दाग-धब्बे व झांइया दूर होती है। दही में जिंक और कैल्शियम पाया जाता है जिसके सेवन से सेहत अच्छी होती है साथ ही खूबसूरत त्वचा बनती है।

ब्रोकली खाएं

इसमें एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो पैरों को मुलायम बनाने के साथ खूबसूरत बनता है।

लंबे व मजबूत नाखून पाना चाहते है तो अपनाएं ये चीजें

आजकल हर महिला चाहती है कि उसके नाखून तेजी से बढ़ें और दूखने में खूबसूरत लगें। लंबे नाखूनों नेलपॉलिश बहुत अच्छी लगती है और दिखने में भी वह बहुत खूबसूरत लगते है। लंबे नाखून हाथ की खूबसूरती भी बढ़ा देते है। ऐसे नाखूनों पर नेल आर्ट करना बहुत ही आसान होता है। मगर कई लड़कियों की समस्या होती है कि उनके नाखून अच्छी तरह से बढ नहीं पाते या फिर अगर बढ़ते भी हैं तो वह जल्द टूट जाते हैं। यह समस्या आपके आहार में ढेर सारे पोषक तत्व न शामिल होने के कारण होते है। आज हम आपको मजबूत और लंबे नाखून पाने के घरेलू उपचार बताएंगे।

1. लहसुन लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे। पर इस प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी पड़ेगी।

2. संतरे का रस अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकाले और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

3. जैतून तेल अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढाता है जिससे नाखून बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

4. टमाटर नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्द बढ़ेंगे।

5. अलसी का तेल एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें। इससे आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

6. नारियल का तेल नारियल तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

7. एप्पल साइडर वेनिगर 1 चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाएं और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

झुर्रियों से यूं बचाएं अपने Soft hands

चेहरे के मुकाबले हमारे हाथों पर झुर्रियां जल्दी आ जाती हैं। यह बात तो आपने भी नोटिस की होगी। इसका कारण यह है कि हम लोग अपने चेहरे की तो केयर करते हैं लेकिन हाथों और पैरों के मामले में अनदेखी बरतते हैं, जिसकी वजह से हाथों पर उम्र से पहले ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हाथों को, बल्कि शरीर के सभी हिस्सों को चेहरे जैसी ही देख-रेख की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह उम्र से पहले ही पड़ने वाली झुर्रियों से हाथों को बचा सकते हो। इन आसान तरीकों को अपनाने से आपके हाथ मुलायम रहेंगे।

-सख्त साबुन

हम दिन में बहुत बार हाथ धोते हैं लेकिन हाथों को धोने के लिए बार-बार हार्ड साबुन का इस्तेमाल न करें जबकि इसके उल्ट लोग सारा दिन साबुन से ही हाथ घिसते हैं। यह हमारे हाथों की त्वचा को सख्त और बेजान बना देता है। हाथ रूखे-सुखे लगने लगते हैं इसलिए जितना ज्यादा हो सके सख्त और ज्यादा खूशबू वाले साबुन से बचें क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

-डिटर्जेंट

आप घर पर कपड़े तो धोते ही होंगे तो क्या हाथों को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ खास तरीकों को इस्तेमाल करती है? डिटर्जेंट में बहुत तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप की स्किन सेंसटिव है तो यह आपकी त्वचा को जख्म भी दे सकता है इसलिए कपड़े धोने से पहले हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें। इससे न तो आपके हाथ फटेंगे और न ही यह अपनी नमी खोएंगे।

-हैंड सेनिटाइजर

बदलते जमाने के साथ साथ आजकल लोग हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। हाथ सेनिटाइजर से धोना अच्छी बात है लेकिन अगर वह बढ़िया क्वालिटी का हो तो नहीं तो यह आपके हाथों की त्वचा को खराब कर सकते हैं।

-मोएस्चराइजर क्रीम साबुन से हाथ धोने के बाद अक्सर लोग मोएस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं लेकिन मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न करने से हाथ सख्त से हो जाते हैं। आप जितनी बार हाथ धोते हैं, उतनी बार मोएस्चराइजर लगाएं ताकि हाथ मुलायम रहें।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं की कीमतों में टिकाव रहा। चीनी और दालों के दाम भी बढ़े। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये बढ़कर 3,854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,856 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत भी दो रुपये बढ़ी। दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। तुअर दाल औसतन 33 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ी। उड़द दाल 22 रुपये और मसूर दाल 17 रुपये मजबूत हुई। चना दाल 16 रुपये और मूंग दाल 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 26 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,120 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका सोया तेल का मार्च वायदा 0.36 प्रतिशत चढ़कर 52.80 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 48 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 27 रुपये और वनस्पति 22 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल और पाम ऑयल में टिकाव रहा। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

रुपया सात पैसे टूटा, ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद

मंबुई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.97 रुपये का बोला गया। यह रुपये का अब तक का निचला बंद स्तर है। इससे पहले, 16 दिसंबर 2025 को यह बीच कारोबार में 91.14 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़कने के बाद 90.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। भारतीय मुद्रा में यह लगातार पांचवीं गिरावट है। यह 11.25 पैसे टूटकर 90.90 रुपये प्रति डॉलर पर हुई थी। पांच दिन में यह 79.50 पैसे टूटी है। रुपया आज एक पैसे फिसलकर 90.91 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 90.88 रुपये और नीचे 91.06 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंत में 90.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में करीब एक प्रतिशत की नरमी से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के कारण रुपया कुल मिलाकर दबाव में रहा।

स्पाइसजेट अहमदाबाद से शारजांह के लिए शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट अगले महीने गुजरात के अहमदाबाद से शारजांह के लिए उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नयी उड़ान छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध रहेगी। इस नॉन स्टॉप सेवा की शुरुआत 05 फरवरी से होगी। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस नयी उड़ान से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और भारत के बीच हवाई संपर्क बढ़ेगा। दुबई के बाद यूएई में यह उसका दूसरा गंतव्य होगा। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि यूएई की सांस्कृतिक राजधानी और एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में शारजांह एयरलाइंस के नेटवर्क से जुड़ने वाला एक महत्वपूर्ण शहर है। शारजांह संयुक्त अरब अमीरात का तीसरा सबसे बड़ा और अकेला ऐसा अमीरात है जिसकी सीमा शेष सभी छह अमीरात के साथ मिलती है।

आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर में 3.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात और बिजली क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन से देश के आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 3.7 प्रतिशत बढ़ गया। यह अगस्त 2025 के बाद प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में चार महीने में सबसे तेज बढ़ोतरी है। इससे पहले, नवंबर 2025 में प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.1 प्रतिशत और दिसंबर 2024 में 5.1 प्रतिशत बढ़ा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ उद्योगों में से तीन के उत्पादन में गत दिसंबर में गिरावट दर्ज की गयी जबकि अन्य पांच उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस्पात उद्योग का उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली का 5.3 प्रतिशत बढ़ा है। सीमेंट का उत्पादन 13.5 प्रतिशत और उर्वरकों का 4.1 प्रतिशत बढ़ा है। कोयले के उत्पादन में 3.6 फीसदी की वृद्धि देखी गयी।कोर उद्योगों के उत्पादन में 28 प्रतिशत से अधिक का भारांश रखने वाले रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। कच्चे तेल का उत्पादन 5.6 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 4.4 प्रतिशत घट गया। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.6 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी थी।

कोच्चि में 23 जनवरी को होगी आईडब्ल्यूडीसी 3.0 बैठक, पूर्वोत्तर में 5000 करोड़ निवेश से जलमार्ग विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जलमार्गों के विकास को नई दिशा देने के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक 23 जनवरी को कोच्चि, केरल में होगी। इस बैठक में अब तक की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी और आने वाले समय की योजना तय की जाएगी। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता मंत्री सर्बानंद सोनोवाल करेंगे। इस बैठक में उनके साथ राज्य मंत्री शंतनु ठाकुर और कई राज्यों के मंत्री भी शामिल होंगे। इस दौरान नई पहल शुरू की जाएगी और केंद्र तथा राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए जाएंगे। बैठक में शहरी जल परिवहन को मजबूत बनाने, माल ढुलाई को आसान करने, पर्यावरण अनुकूल जहाजों को बढ़ावा देने, नदी पर्यटन को आगे बढ़ाने और डिजिटल तरीकों को अपनाने पर चर्चा

की जाएगी। साथ ही नियमों की समीक्षा और राज्यों की चिंताओं पर भी विचार किया जाएगा। सरकार ने 2025 से 2030 के बीच उत्तर पूर्व में जलमार्ग विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। 1152 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पहले से चल रहे हैं। कोच्चि बैठक में डिब्रूगढ़ में उत्कृष्टता केंद्र, पांडु में जहाज मरम्मत सुविधा और हरित जहाजों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही बोगीबील नदी बंदरगाह तक पहुंच मार्ग और उजान बाजार घाट पर पर्यटक जेट्टी की घोषणा भी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि देश में जलमार्गों का बड़ा नेटवर्क है, जहां हर साल 145 मिलियन टन से ज्यादा माल ढोया जाता है। यह तरीका रेल और सड़क से सस्ता और पर्यावरण के लिए बेहतर है। अभी 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 32 पर माल और यात्री परिवहन हो रहा है। पिछले 10 सालों में जलमार्गों पर माल ढुलाई 18 मिलियन टन से बढ़कर 145.84 मिलियन टन हो गई है। यात्री संख्या भी 7.64 करोड़ तक पहुंच गई है। 'जलवाहक' और 'जल समृद्धि' जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र को और तेज गति दी है। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने राष्ट्रीय जलमार्ग 2 ने उत्तर पूर्व में परिवहन का नया मॉडल पेश किया है। यहां पांडु, जोगीघोपा, धुबरी और बोगीबील जैसे टर्मिनल काम कर रहे हैं। असम का 98 प्रतिशत माल इसी मार्ग से जाता है।

डाक विभाग ने निर्यातकों के लिए शुरू की कर वापसी सुविधा, एमएसएमई और कारीगरों को मिलेगी शुल्क रियायत

एजेंसी

नई दिल्ली। छोटे कारोबारियों, एमएसएमई, कारीगरों और स्टार्टअप को अब डाकघर से माल विदेश भेजने पर भी सरकार की ओर से ड्यूटी ड्रॉबैक, कर वापसी और अन्य रियायतों का फायदा मिलेगा। इससे उनकी लागत घटेगी, पैसा जल्दी वापस मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। डाक विभाग ने 15 जनवरी से यह सुविधा लागू कर दी। संचार मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से छोटे निर्यातक, कारीगर और स्टार्टअप को खास फायदा होगा, क्योंकि वे कम कीमत वाले माल को विदेश भेजने के लिए डाक नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं। पहले से ही आईजीएसटी की वापसी की सुविधा है, अब इन नए लाभों से लागत घटेगी और कारोबारियों को पैसा जल्दी मिलेगा।

देशभर में 1,013 'डाकघर निर्यात केंद्र' काम कर रहे हैं। यहां से सामान की बुकिंग, डिजिटल कागजी काम और सीमा शुल्क की प्रक्रिया एक ही जगह पूरी हो जाती है। इससे दूर-दराज के इलाकों के लोग भी आसानी से अपना माल विदेश भेज सकते हैं। डाक विभाग ने सिस्टम में जरूरी बदलाव किए हैं और साफ नियम बनाए हैं ताकि निर्यातक और अधिकारी आसानी से काम कर सकें। यह कदम सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सीमा-पार ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। भारत डाक विभाग एक ही जगह से पूरी सुविधा देता है। सामान उठाने से लेकर कागजी काम, ऑनलाइन भुगतान, सीमा शुल्क निकासी और ट्रैकिंग तक। 'अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्ड पैकेट सेवा' जैसी सुविधाएं 135 देशों में उपलब्ध हैं, जो छोटे कारोबारियों के लिए सस्ती और भरोसेमंद हैं।

बीएसएनएल को राजस्व लक्ष्य और सेवा गुणवत्ता पर ध्यान देना होगाः सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां विज्ञान भवन में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की तिमाही-3 समीक्षा और रणनीति बैठक दर्शन और सेवा गुणवत्ता मानकों की विस्तृत समीक्षा की । केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार बैठक में सिंधिया मोबाइल ग्राहक आधार बढ़ाने, औसत राजस्व प्रति उपभोक्ता (एआरपीयू) सुधारने और राजस्व लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ सर्किलों ने मोबाइल ग्राहक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि अन्य सर्किलों को सुधार की आवश्यकता है। तिमाही-दर-तिमाही एआरपीयू में सुधार हुआ है, लेकिन जिन सर्किलों में एआरपीयू स्थिर है, उन्हें इसे बढ़ाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसके लिए बेहतर सेवा, ग्राहक बनाए रखने की रणनीति और मूल्यवर्धित सेवाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सिंधिया ने सभी मुख्य महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे ग्राहक आधार बढ़ाने और सेवा गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देकर राजस्व लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने कहा कि अंतिम तिमाही में सर्किल स्तर पर केंद्रित क्रियान्वयन, जवाबदेही और प्रदर्शन की करीबी निगरानी जरूरी है, ताकि निर्धारित राजस्व लक्ष्य पूरे किए जा सकें।

बैठक में मोबाइल नेटवर्क उपलब्धता और मरम्मत में लगने वाले औसत समय (एमटीटीआर) जैसे प्रमुख सेवा गुणवत्ता मानकों की समीक्षा की गई। केरल, तमिलनाडु, यूपी पूर्व, कर्नाटक, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कोलकाता, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को मोबाइल बीटीएस एमटीटीआर में उल्लेखनीय सुधार करने वाले सर्किलों के रूप में पहचाना गया। सभी सर्किलों को नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ाने, डाउनटाइम कम करने और समय पर खराबी दूर करने के निर्देश दिए गए। एंटरप्राइज बिजनेस खंड में सिंधिया ने कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, हरियाणा और यूपी (पश्चिम) सर्किलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। चौथी तिमाही के राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए सर्किलवार योजनाएं और रणनीतियां भी बताई गईं। बैठक में संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार सचिव अमित अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव गुलजार नटराजन, बीएसएनएल के सीएमडी ए रॉबर्ट जे रवि, निदेशक मंडल और देशभर के मुख्य महाप्रबंधक मौजूद रहे।

एवरस्टोन समूह ने मप्र में विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण में निवेश की दिखाई रूचि

एजेंसी

दावोस। स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन विभिन्न उद्योगपतियों से चर्चाओं का दौर जारी है। इस दौरान एवरस्टोन समूह ने मध्य प्रदेश में निवेश की रूचि दिखाई। स्टेट लाउंज में मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने एवरस्टोन समूह के प्रेसिडेंट और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा के साथ बैठक कर राज्य में निवेश एवं औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) इकोसिस्टम में मध्?य प्रदेश की सशक्त उपस्थिति को रेखांकित किया। इंदौर, उज्जैन और भोपाल के आसपास विकसित हो रहे ईवी और ऑटोमोबाइल क्लस्टर्स के साथ वस्त्र एवं परिधान उद्योग में राज्य की स्थापित क्षमताओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत आधार की जानकारी साझा की गई। चर्चा के दौरान नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मनीष सिंह और प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने उद्योगपतियों के साथ सोलर पैनल, बैटरी, इंगट्स और वेफर्स सहित उपकरण और कंपोनेंट विनिर्माण में उपलब्ध निवेश अवसरों पर भी विचार किया गया। राज्य शासन ने निवेशकों के अनुकूल भूमि अधिग्रहण ढांचे की जानकारी देते हुए भोपाल और होशंगाबाद के समीप क्षेत्रों को विनिर्माण आधारित निवेश के लिए उपयुक्त बताया और राज्य में बढ़ती आंतरिक मांग को भी रेखांकित किया। प्रेसिडेंट एवरस्टोन समूह जयंत सिन्हा ने समूह के पोर्टफोलियो और निवेश प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए स्केलेबल प्लेटफॉर्म, दीर्घकालिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में रुचि साझा की। बैठक में दोनों पक्षों ने खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा एवं संबंधित क्षेत्रों में संभावित सहयोग और निवेश के लिए आगे भी विस्तृत चर्चा जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। यह संवाद मध्य प्रदेश की विनिर्माण आधारित विकास रणनीति और सतत आर्थिक प्रगति की दिशा में वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन निवेश पर क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ हुई अहम चर्चा

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में मध्य प्रदेश स्टेट लाउंज में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ निवेश संबंधी चर्चा की। मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज डिप्टी सीईओ एवं हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट्स तुषार सिंहवी के साथ बैठक कर राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग तथा एकीकृत सप्लाई चेन अवसंरचना में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान क्रेसेंट एंटरप्राइजेज ने भारत में अपने विस्तार की मजबूत मंशा व्यक्त करते हुए लॉजिस्टिक्स आधारित निवेश के लिए मध्य प्रदेश को एक रणनीतिक गंतव्य के रूप में परखने में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर मंत्री शुक्ला ने राज्य की समर्पित लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात नीति की जानकारी साझा की, जिसके अंतर्गत पूंजी निवेश सहायता, अवसंरचना सुविधा, स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति, भूमि आवंटन में सहयोग और हरित लॉजिस्टिक्स के लिए विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश, देश के केंद्र में स्थित होने से यहां प्राप्त भौगोलिक लाभ, राज्य के हवाई अड्डों के माध्यम से लागत प्रभावी कार्गो हैंडलिंग और खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स (एपीआई सहित), वस्त्र एवं परिधान और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद हैं। साथ ही भूमि की पर्याप्त उपलब्धता, विश्वसनीय विद्युत एवं जल आपूर्ति तथा स्थिर श्रम वातावरण मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन परियोजनाओं के लिए उच्च दक्षता वाला निवेश गंतव्य बनाता है। दोनों पक्षों ने विशिष्ट परियोजना अवसरों की पहचान करने तथा लॉजिस्टिक्स और संबद्ध अवसंरचना क्षेत्रों में संभावित निवेश पर आगे भी संवाद जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

658 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत ईडी का कई राज्यों में छापा

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 658 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले के सिलसिले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत कई राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी उन व्यक्तियों और कंपनियों के ठिकानों पर की गई है, जिनके इस बड़े कर घोटाले से जुड़े होने का संदेह है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व ईडी की ईटानगर यूनिट कर रही है, जो संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय में कार्रवाई कर रही है।

जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कई फर्मों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी चालानों के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाने और उसका लाभ उठाने का आरोप है। ऐसे फर्जी दावे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि इनके तार अक्सर मनी लॉन्ड्रिंग और शेल कंपनियों के

नेटवर्क से भी जुड़े होते हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह मामला अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है। इस एफआईआर में राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायत के अनुसार, एम/एस सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नामक एक कथित गैर-मौजूद कंपनी के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया। जांच में सामने आया है कि 658.55 करोड़ के फर्जी चालानों के आधार पर 99.31 करोड़ का इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल किया गया। इस घोटाले में अलग-अलग राज्यों में फैली 58 शेल कंपनियों की भूमिका बताई जा रही है। ईडी अब फर्जी आईटीसी की परत-दर-परत जांच कर रही है और इस प्रक्रिया में कथित रूप से किए गए धनशोधन के पैसों का पता लगाने में जुटी है। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। इस बीच, ईडी ने पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित करोड़ों के कोयला तस्करी मामले में भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। एजेंसी ने इस मामले में सात और कोयला व्यापारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। इसके साथ ही इस प्रकरण में अब तक कुल 15 कोयला व्यापारियों को समन जारी किया जा चुका है। गौरतलब है कि, यह मामला तब और सुर्खियों में आया था, जब 8 जनवरी को ईडी ने एक साथ इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और उसके निदेशक व सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था, जो इसी कोयला तस्करी मामले से जुड़ा हुआ है।

गूगल करेगा मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता के साथ मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने बैठक कर राज्य में आईटी, आईटीईएस सेक्टर और मौजूदा प्रस्तावित डेटा सेंटर परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। गुप्ता ने मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश की रूचि दिखाई। स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित रहे। गूगल की ओर से राज्य में जेमिनी एआई के माध्यम से कृषि एवं शिक्षा क्षेत्रों में नवाचार और डिजिटल समाधान लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार साझा किए गए। बैठक में राज्य शासन द्वारा आईटी एवं डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए पर्याप्त एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरित ऊर्जा आधारित नीति तैयार करने की योजना से

अवगत कराया गया। साथ ही, गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की मध्य प्रदेश की क्षमता, अनुकूल नीतिगत ढांचा और सहयोगी दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया गया। गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने आईटी अवसंरचना, डिजिटल नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से मध्य प्रदेश को एक उभरते तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सहयोग दिए जाने पर सहमति व्यक्त की। श्रीलंकाई उद्योग समूह जॉन कील्स के साथ निवेश अवसरों पर हुई चर्चावर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान श्रीलंकाई उद्योग समूह से भी मध्?य प्रदेश के अधिकारियों ने निवेश को लेकर चर्चा की। इस दौरान मप्र के प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मनीष सिंह ने श्रीलंका के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी के चेयरमैन कृष्णन बालेंद्र के साथ मीटिंग की। उन्होंने राज्य में निवेश एवं सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी), खाद्य प्रसंस्करण एवं पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मध्य प्रदेश में उपलब्ध अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। राज्य सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लागू नीतियों एवं उपलब्ध प्रोत्साहनों की जानकारी भी प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा की गई। जॉन कील्स समूह ने भारतीय कंपनियों के साथ अपने मौजूदा व्यावसायिक जुड़ाव तथा भारत में विभिन्न टाई-अप्स के माध्यम से अपने व्यापार की जानकारी दी। प्रमुख सचिव सिंह ने राज्य की अनुकूल निवेश नीति, मजबूत अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण को रेखांकित करते हुए जॉन कील्स समूह को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

भारत का पुनर्बीमा कारोबार क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर : वित्तीय सेवा सचिव

एजेंसी

मुंबई। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार और बीमा विनियामक ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है और देश में पुनर्बीमा कारोबार का क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर है। उन्होंने भारतीय बीमाकर्ताओं और पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के माध्यम से वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने और '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ग। श्री नागराजू यहां आयोजित अंतराष्ट्रीय वित्त केंद्र (आईएफएस)- इरडाई-गिफ्टसिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पुनर्बीमा क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास के मुहाने पर खड़ा है। भारत में कुल पुनर्बीमा बाजार का कारोबार 2024-25 में 1.12 लाख करोड़ रुपये रहा। उन्होंने सम्मेलन के विषय 'आज के भारत को जोड़ना, कल के भारत का बीमा करना - भारत विकास रोडमैप' को पूरी तरह से '2047 तक सभी के लिए बीमा' की सरकार की सोच के अनुरूप बताया। व्यक्तियों और इकाइयों को बीमा संरक्षण देने के साथ साथ अर्थव्यवस्था में बीमा क्षेत्र के बड़े योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में इस क्षेत्र ने 41.84 करोड़ पॉलिसियां जारी कीं, 11.93 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया, 8.36 लाख करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया और 31 मार्च 2025 तक इस क्षेत्र के अंतर्गत प्रबंधनाधीन परिसम्पत्तियां 74.44 लाख करोड़ रुपये की थीं। वित्तीय सेवा सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा विनियामक इरडाई ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है। इस संदर्भ में उन्होंने बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने , पिछले वर्ष एक नयी पुनर्बीमाकर्ता कंपनी के पंजीकरण और सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत पॉलिसीधारक शिक्षा एवं संरक्षण कोष के गठन के प्रावधान तथा डेटा संरक्षण को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप बनाये जाने का उल्लेख किया।

वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को पीएसबी के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के चेयरपर्सन के साथ एक बैठक करेगा। इसमें आरआरबी के विलय के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू करेंगे। समीक्षा बैठक में नाबार्ड के चेयरमैन, सिडबी के सीएमडी और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के संबंधित कार्यकारी निदेशक शामिल हो सकते हैं।प्राप्त जानकारी के मुताबिक एक मई से प्रभावी आरआरबी के एकीकरण के चौथे दौर के बाद ये पहली उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। इस एकीकरण से आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। इस समीक्षा बैठक में विलय के बाद आरआरबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। इसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने की प्रगति और आरआरबी द्वारा शुरू की गई विभिन्न वित्तीय योजनाओं की समीक्षा होगी। बेहतर परिचालन दक्षता और लागत को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक मई को 11 राज्यों के 15 आरआरबी के एकीकरण के बाद राज्य के स्वामित्व वाला एक आरआरबी अस्तित्व में आया है। पहले चरण वित्त वर्ष 2005-06 से 2009-10 में आरआरबी की संख्या 196 से घटाकर 82 कर दी गई थी।

टाटा मोटर्स ने 7 से 55 टन क्षमता वाले अगली पीढ़ी के ट्रक किए लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में 7 टन से 55 टन क्षमता वाले 17 नए अलगी पीढ़ी के ट्रकों को लॉन्च किया है। इन ट्रकों को टाटा मोटर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गिरीश वॉग और उपाध्यक्ष एवं ट्रक कारोबार के प्रमुख राजेश कौल ने यहां के भारत मंडपम में पेश किया। इसमें डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह के ट्रक शामिल हैं, जो प्राइमा, सिग्ना, अल्ट्रा और नई अजुरा प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं। कंपनी ने 'टाटा ट्रक्स डॉट ईवी' ब्रांड के तहत देश की अब तक की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक ट्रक रेंज पेश की है, जिसमें अल्ट्रा ईवी सीरीज, प्राइमा ई.55एस इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर और प्राइमा ई.28के इलेक्ट्रिक टिपर शामिल हैं। ये ट्रक शहरी माल ढुलाई, ई-कॉमर्स, निर्माण, पोर्ट संचालन और खनन जैसे क्षेत्रों के लिए तैयार किए गए हैं। टाटा मोटर्स द्वारा प्रस्तुत किए गए ये नए ट्रक रसद, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, निर्माण, खनन, कृषि, बंदरगाह संचालन और क्षेत्रीय माल परिवहन जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। कंपनी का दावा है कि हल्के, मध्यम और भारी तीनों श्रेणियों में ये ट्रक बेहतर भार क्षमता, कम ईंधन खर्च और अधिक लाभ देने में सहायक होंगे। मध्यम और हल्के वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में कंपनी ने पहली बार नई अजुरा श्रृंखला प्रस्तुत की है। यह श्रृंखला 7 टन से 19 टन तक की क्षमता में उपलब्ध होगी। इनमें नया 3.6-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जिसे बेहतर प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के लिए विकसित किया गया है। अजुरा ट्रकों में वॉक-थ्रू केबिन, डी प्लस 2 बैठने की क्षमता, रिक्लाइनिंग सीट, अधिक भंडारण

स्थान और चालक की सुविधा के लिए बेहतर आरामदायक रूपांकन दिया गया है। इन ट्रकों को मध्यम दूरी, अंतर-नगरीय और क्षेत्रीय परिवहन के लिए उपयुक्त बताया गया है। सुरक्षा के मानकों पर टाटा मोटर्स ने अपने पूरे डीजल ट्रक पोर्टफोलियो को यूरोपीय ईसीई आर29 03 टक्कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया है। इसमें सामने, किनारे और पलटाव सुरक्षा शामिल की गई है। साथ ही कुछ मॉडलों में लेन छोड़ने की चेतावनी, टक्कर से बचाव और अन्य उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसे आधुनिक विशेषताएं भी दी गई हैं, जिससे सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। कंपनी के अनुसार नए तकनीकी सुधारों के चलते कुछ ट्रकों में भार क्षमता को 1.8 टन तक बढ़ाया गया है। वहीं, 6.7-लीटर डीजल इंजन में सुधार कर ईंधन दक्षता में लगभग 7 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे परिवहन कारोबारियों की परिचालन लागत घटेगी और लाभ बढ़ेगा।

ई-ट्रकों के साथ टाटा मोटर्स ऊर्जा भरने की सुविधा, वित्तपोषण, रखरखाव और संयोजित डिजिटल सेवाओं का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र भी उपलब्ध कराएगी। इसके अंतर्गत 'संपूर्ण सेवा 2.0' कार्यक्रम से 24 घंटे सड़क किनारे सहायता, बेड़ा सहयोग, पुर्जों की उपलब्धता और डिजिटल निगरानी की सुविधा दी जाएगी। टाटा मोटर्स ने फिलहाल इन नए ट्रकों की कीमतों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कंपनी का दावा है कि यह नई श्रृंखला देश में ट्रकिंग क्षेत्र को अधिक सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

शुभमन अपने खिलाड़ियों का बेहतर प्रयोग नहीं कर पाये : अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बीच के ओवरों में प्रबंधन की कमी दिखी। अश्विन के अनुसार सही से गेंदबाज रोटेट नहीं किये गये। विशेषकर दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में बीच के ओवरों में संसाधनों का सही से उसयोग नहीं किया गया जिससे मुकाबल भारतीय टीम के हाथों से निकल गये। अश्विन के अनुसार जब मैच दांव पर लगा था, तब शुभमन अपने सबसे बेहतर खिलाड़ियों का सही से उपयोग नहीं कर पाए। अश्विन ने डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ स्पिनर कुलदीप के इस्तेमाल के तरीके पर भी सवाल उठाये। अश्विन ने कहा, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की कप्तानी की इतनी तारीफ इसलिए होती रही है क्योंकि उन्हें पता होता है कि अपने संसाधनों का इस्तेमाल कहां और कब करना है और किस बल्लेबाज के खिलाफ। इस सीरीज में इस बात की थोड़ी कमी नजर आयी। अश्विन ने सुझाव दिया कि शुभमन के फैसले पिछले मैचों की विफलता से प्रभावित लग रहे थे, जिससे अहम तीसरे मैच उनके गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया जबकि पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज को नहीं आंका जाना चाहिये। अश्विन ने कहा कि शुभमन के पास एक तरीका विफल होने पर प्लान बी नहीं था। उन्होंने कहा, अगर आप संसाधनों का सही इस्तेमाल करते हैं और फिर भी असलता मिलती है, तो कोई बात नहीं पर पहले सही प्रकार से प्रयोग तो करें।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा-मैं पारी को अंत तक ले जाना चाहती थी

एजेंसी, वडोदरा

महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद अर्धशतक जमाया और अपनी टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट से जीत दिलाई। बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जेमिमा की संयमित पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को शुरुआत से ही अच्छी लय मिली। ओपनर लिजेल ली और शैफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दी, जिसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी को संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। मारिज़ान काप ने अंत में उनका अच्छा साथ निभाया और दिल्ली ने 19 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के बाद जेमिमा ने ओपनिंग साझेदारी की अहमियत पर कहा, "लिजेल और शैफाली एक बेहद खतरनाक ओपनिंग जोड़ी हैं। गेंदबाजों को पता होता है कि अगर उन्होंने थोड़ी भी गलती की, तो उसकी सजा मिलेगी। इस विकेट पर पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाज़ी की, वह हमारे लिए बहुत अहम रही। जब गेंद पुरानी हुई तो विकेट धीमा होने लगा, ऐसे में उनकी शुरुआत ने आगे आने वाले बल्लेबाज़ों का काम आसान कर दिया।" अपनी पारी और मैच फिनिश करने को लेकर जेमिमा ने कहा, "पिछले कुछ मैचों में मैंने प्रभावशाली पारियां खेलीं, लेकिन मैं देर से बल्लेबाज़ी के लिए आ रही थी। मुझसे और ज्यादा उम्मीदें थीं और मैं खुद भी पारी को अंत तक खत्म करना चाहती थी। आज मैं खुश हूं कि मैं अंत तक टिक सकी और टीम के लिए जिम्मेदारी निभा सकी।" कप्तानी के शुरुआती अनुभव साझा करते हुए जेमिमा ने कहा, "यह मेरे लिए सीखने का दौर है। मुझे लगा था कि कप्तानी से दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम और सपोर्ट स्टाफ ने वह दबाव काफी कम कर दिया है। हेड कोच जोनाथन बैटी और लीडरशिप ग्रुप ने मेरी काफी मदद की है। कप्तानी में आपको अपने फैसलों पर भरोसा रखना होता है और गलतियों से सीखना भी जरूरी है।" टीम संतुलन और अपनी बल्लेबाज़ी पोज़िशन पर जेमिमा ने कहा, "कप्तान के तौर पर मुझे पहले टीम के बारे में सोचना होता है। मुझे लगा कि लॉरा वोल्वार्ट नंबर तीन पर बेहतर रहेंगी क्योंकि नई गेंद वहां बेहतर आती है। मैं स्पिन के खिलाफ बाद में बल्लेबाज़ी कर सकती हूं। वह मैदान पर भी मेरी काफी मदद करती हैं।" उन्होंने आगे कहा, "ऐसे टूर्नामेंट में सही समय पर फॉर्म में आना जरूरी होता है। हम एक-एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं और अपनी प्रक्रियाओं पर टिके हुए हैं। अगर हम सही चीजें करते रहेंगे, तो नतीजे खुद मिलेंगे।" दिल्ली कैपिटल्स अब महिला प्रीमियर लीग 2026 में अपना अगला मुकाबला 24 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलेगी।

आईपीएल और पीएसएल का अंतर आया सामने

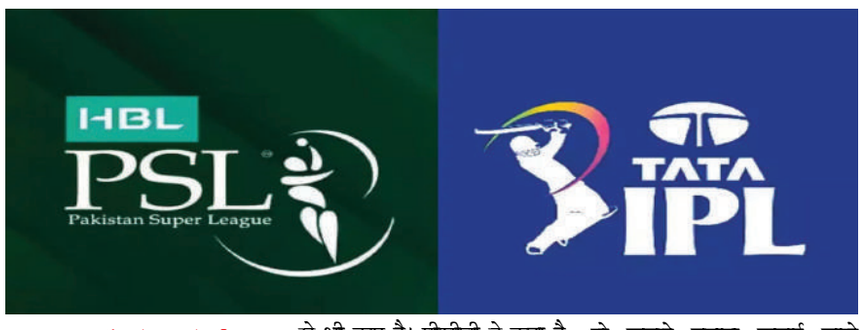

» ऋषभ और श्रेयस से भी कम है कुल टीम का वेतन

एजेंसी, लाहौर

भारत के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान के सुपर लीग (पीएसएल) में कितना अंतर है। ये एक बार फिर सामने आया है। पीएसएल ने 2026 सत्र से पहले खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाया है। इसके बाद भी खिलाड़ियों की कमाई आईपीएल खेलने वाले भारतीय टीम के ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर से भी कम है। पीसीबी ने कहा है कि सैलरी कैप को 1.3 मिलियन (करीब 11.3 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर 1.6 मिलियन (करीब 14.5 करोड़ रुपये) प्रति टीम कर दिया गया है। यही वह रकम है जिसे आठों टीमें नीलामी में खर्च कर सकती हैं। कुल मिलाकर आठ टीमों के लिए यह राशि 12.8 मिलियन (करीब 116.48 करोड़ रुपये) होगी। पीएसएल के वेतन बढ़ाने के बाद भी पीएसएल और आईपीएल में खिलाड़ियों की कमाई का अंतिर दिख रहा है। आईपीएल 2025 सत्र के दो सबसे ज्यादा कमाई वाले खिलाड़ी, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर (27 और 26.75 करोड़ रुपये) ही पीएसएल की एक पूरी टीम के पूरे वेतन से अधिक कमाई कर चुके हैं। यहां तक कि एम एस धोनी को 2008 में पहली आईपीएल नीलामी में करीब 6 करोड़ रुपये मिले थे। ये पीएसएल की एक टीम के पूरे दल पर खर्च होने वाली राशि के बराबर है। आईपीए की पहली सत्र में टीमों की की कमाई करीब 20 करोड़ रुपये थी। जो PSL की 11वीं सत्र की तुलना में अधिक है।

लिज़ेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिज़ेल ली पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिज़ेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिज़ेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर रहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई। रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिज़ेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिज़ेल ली फैसले से काफी नाराज़ नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराज़गी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिज़ेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है। लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

आरसीबी और रॉयल्स 27 जनवरी तक बतायें घरेलू मैदान का नाम : बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के 2026 सत्र में घरेलू मैदान को लेकर राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मामला अभी तक हल नहीं हुआ है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इन दोनो को 27 जनवरी तक का समय दिया है। तब तक इन दोनो को बताना होगा कि ये दोनो अपने मैच घरेलू मैदान पर ही चाहते हैं या किसी अन्य स्थल को घरेलू मैदान मान सकते हैं। दोनो ही टीमों को शायद ही घरेलू मैदानों पर खेलने का अवसर मिल पाये। रॉयल्स को जयपुर इसलिए नहीं मिल सकता क्योंकि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के चुनाव नहीं हुए हैं। वहीं बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 की जीत के बाद मैदान में हुए जश्न के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी थी। उसको देखते हुए अब आईपीएल आयोजक उसे यहां खेलने की अनुमति देंगे इसकी संभावना नहीं है। ऐसे में रॉयल्स अपने घरेलू मैच पुणे में खेल सकती है, जबकि आरसीबी डीवाई पाटिल स्टेडियम में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच रख सकती है। नवी मुंबई में मैच आयोजित कराने के लिए आरसीबी को मुंबई इंडियंस से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि आईपीएल के नियमों के मुताबिक, एक शहर में दो टीमों के मैच आयोजित नहीं हो सकते हैं। आरसीबी के मालिक इसलिए भी बेंगलुरु के मैदान पर अधिक जोर नहीं देंगे क्योंकि नये कानून के अनुसार अगर कोई घटना होती है तो उन्हें जिम्मेदार माना जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होने वाली है और फाइनल मुकाबला 31 मई को आयोजित होगा।

संक्षिप्त

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: अल्कराज ने हान्फमैन की चुनौती पार कर तीसरे दौर में बनाई जगह

मेलबर्न। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में जर्मनी के यानिक हान्फमैन को कड़े मुकाबले में 7-6(4), 6-3, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ अल्कराज ने करियर ग्रैंड स्लैम की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया। पहले दौर में एडम वॉल्टन के खिलाफ आसान जीत दर्ज करने वाले 22 वर्षीय अल्कराज को इस बार रोड लेवर एरीना में हान्फमैन ने कड़ी चुनौती दी। मुकाबले में शुरुआती सेट में अल्कराज को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अनुभव और धैर्य का परिचय देते हुए मैच पर नियंत्रण हासिल किया। पहले सेट में अल्कराज 1-3 से पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया। हालांकि, हान्फमैन की दमदार सर्विस के सामने उन्हें कई ब्रेक प्वाइंट गंवाने पड़े। अंततः टाईब्रेक में अल्कराज ने बाजी मारते हुए 78 मिनट तक चले पहले सेट को अपने नाम किया। दूसरे सेट में अल्कराज ने अपनी रफ्तार और सटीक शॉट्स से दबदबा बनाया और बढ़त दोगुनी कर ली। तीसरे सेट से पहले हान्फमैन को मेडिकल उपचार लेना पड़ा, जिसके बाद अल्कराज पूरी तरह हावी नजर आए। उन्होंने लगातार दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए मुकाबला आसानी से समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, "मुझे पता था कि वह शानदार खेलेगा। उसका स्तर मैं जानता हूं। शुरुआत में मुकाबला मेरी उम्मीद से ज्यादा मुश्किल था।"उन्होंने आगे कहा, "उसकी गेंदें बम की तरह आ रही थीं। मैं खुश हूं कि कठिन पहला सेट जीतने के बाद मैं अंत तक उच्च स्तर का खेल दिखा सका।"

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: टॉप सीड सबालेंका ने बाई को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने संघर्षपूर्ण शुरुआत के बावजूद चीन की बाई झुओशुआन को 6-3, 6-1 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को रॉड लेवर एरिना में खेला गया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उनका खेल अचानक लड़खड़ा गया। बाई झुओशुआन ने न केवल अपनी सर्विस होल्ड की बल्कि सबालेंका की सर्विस भी ब्रेक कर लगातार तीन गेम जीत लिए। इससे मुकाबले में कुछ समय के लिए तनाव बढ़ गया और सबालेंका भी कोर्ट पर काफी परेशान नजर आईं। हालांकि, अनुभव का फायदा उठाते हुए 27 वर्षीय बेलारूसी खिलाड़ी ने अंत में पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में सबालेंका ने खुद को संभाला और फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच स्तर का अंतर साफ नजर आने लगा। उन्होंने लगातार चार गेम जीतकर मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली और आसानी से सेट जीतते हुए मुकाबला समाप्त किया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, "वह एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी थीं। पहले सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाया और कुछ समय के लिए मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहला सेट जीतने में सफल रही, इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।" उन्होंने आगे कहा, "हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है, लेकिन सबसे अहम बात यह रही कि मैंने अपना फोकस नहीं खोया। मैं खुद से कहती रही कि एक-एक पॉइंट पर ध्यान दो और लड़ते रहो।" तीसरे दौर में अब सबालेंका का सामना ब्रिटेन की एमा राडुकानू और ऑस्ट्रिया की अनास्तासिया पोटापोवा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26: एमबाप्पे और विनीसियस के दम पर रियल मैड्रिड ने मोनाको को 6-1 से रौंदा

एजेंसी, मुम्बई

मैड्रिड। यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 में रियल मैड्रिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैंटियागो बर्नबाउ में मोनाको को मंगलवार देर रात 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में किलियन एमबाप्पे ने दो गोल दागे, जबकि विनीसियस जूनियर ने एक शानदार सोलो गोल करने के साथ दो गोल में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरुआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। पांचवें मिनट में एमबाप्पे ने फ्रांको मास्टानतुओनो की शानदार दौड़ के बाद मिले पास पर लो फिनिश के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। 26वें मिनट में उन्होंने तेज काउंटर अटैक पर एक और गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी रियल का दबदबा जारी रहा। 51वें मिनट में विनीसियस ने बीच से शानदार रन लेते हुए मास्टानतुओनो को सटीक थ्रू पास दिया, जिस पर उन्होंने पहली ही टच में गेंद को जाल में पहुंचा दिया। इसके चार मिनट बाद विनीसियस के लो क्रॉस को मोनाको के डिफेंडर थिलो केहरर ने अनजाने में अपने ही गोल में डाल दिया, जिससे स्कोर 4-0 हो गया। 63वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने मैच का सबसे बेहतरीन गोल किया। उन्होंने बॉक्स के अंदर तीन डिफेंडरों को छकाते हुए जोरदार शॉट टॉप कॉर्नर में दागा। यह उनका अक्टूबर की शुरुआत के बाद सैंटियागो बर्नबाउ में पहला गोल था, जिसे देखकर पूरा स्टेडियम उनके नाम के नारे लगाने लगा। 72वें मिनट में मोनाको को एक सांत्वना गोल मिला, जब जॉर्डन टेज़े ने रियल की गलती का फायदा उठाते हुए थिबो कूर्तुआ को छकाया। हालांकि, रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुका। 80वें मिनट में फेडरिको वाल्वर्डे के पास पर जुड बेलिंघम ने शानदार तरीके से गोल कर स्कोर 6-1 कर दिया। इस बड़ी जीत के साथ रियल मैड्रिड 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह बायर्न म्यूनिख के बराबर अंकों पर है और शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल से छह अंक पीछे है। वहीं, मोनाको नौ अंकों के साथ 20वें स्थान पर बना हुआ है। नए कोच अल्वारो आर्बेलोआ की मौजूदगी में रियल मैड्रिड का यह प्रदर्शन दर्शकों को काफी पसंद आया। हालिया झटकों के बाद बर्नबाउ में मौजूद प्रशंसकों ने विनीसियस जूनियर और जुड बेलिंघम का जोरदार समर्थन किया, जो इस यादगार जीत का गवाह बना।

पत्नी की एचआईएल खिताबी जीत से मिली प्रेरणा: मंदीप सिंह

एजेंसी, भुवनेश्वर

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब एसजी पाइपर्स के साथ जीतने वाली उदिता की सफलता ने सिर्फ उनकी टीम को ही नहीं, बल्कि उनके पति और रांची रॉयल्स के फॉरवर्ड मंदीप सिंह को भी खास तौर पर प्रेरित किया है। पुरुष हीरो एचआईएल में खेल रहे मंदीप ने कहा कि पत्नी की इस उपलब्धि ने उनके भीतर भी ट्रॉफी जीतने की भूख को और तेज कर दिया है। मंदीप ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "मैंने फाइनल से पहले ही उससे कह दिया था कि उसकी टीम जीतेगी, लेकिन जब मैंने उसे ट्रॉफी उठाते देखा, तो वह पल बेहद खास था। मुझे उस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। हम दोनों इस खेल के लिए जीते हैं और एक ही लीग में खेलते हैं, इसलिए उसकी जीत मेरे लिए बहुत भावुक और प्रेरणादायक रही।"

दबाव नहीं, मिली सकारात्मक प्रेरणा- उदिता की जीत को लेकर मंदीप ने साफ किया कि इससे उन पर किसी तरह का नकारात्मक दबाव नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक प्रेरणा है।

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "हम मजाक में कहते हैं कि उसने मुझ पर दबाव डाल दिया है, लेकिन यह अच्छा दबाव है। यह मुझे और बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करता है। अभी मेरे पास भी मौका है और मैं उसका पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लगातार मैच जीत रही है।"

'मैं भी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं'- जब उनसे पूछा गया कि क्या पत्नी की सफलता ने उनके भीतर खिताब जीतने की भूख बढ़ा दी है, तो मंदीप ने बिना किसी झिझक के कहा, "बिल्कुल। मैं भी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।"

पिछले साल शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े ने लीग शुरू होने से पहले ही तय कर लिया था कि दोनों इस सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। मंदीप ने कहा, "अगर हम दोनों ट्रॉफी जीतते हैं, तो जश्न भी खास होगा। 2026 की शुरुआत हमारे परिवार के लिए बेहद यादगार बन जाएगी।"

हर मैच में पत्नी की जीत बनी प्रेरणा- मंदीप ने स्वीकार किया कि जब भी वह मैदान पर उतरते हैं, उदिता की जीत उनके दिमाग में रहती है। उन्होंने कहा, "हर बार जब मैं खेलने जाता हूं, तो उसकी मेडल मेरे दिमाग में होती है। यह मुझे गोल करने, मैच जिताने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। मैं चाहता हूं कि उसे मुझ पर भी वही गर्व महसूस हो, जो मुझे उस पर होता है।"

हॉकी ही है जीवनशैली- सिंह परिवार की दिनचर्या भी पूरी तरह हॉकी के इर्द-गिर्द घूमती है। मंदीप ने हंसते हुए कहा, "हम घर पर भी हॉकी से दूर नहीं रहते। सुबह साथ में जिम जाते हैं, शाम को अभ्यास करते हैं। हमारे घर के पास ही अच्छा टर्फ है, इसलिए हॉकी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।"

मानसिक मजबूती है उदिता की सबसे बड़ी ताकत- पुरुष लीग के नॉकआउट चरण से पहले उदिता मंदीप के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा रही हैं।

मंदीप ने कहा, "हम रोज मैचों पर बात करते हैं। वह बताती है कि मैंने क्या अच्छा किया, कहां सुधार की जरूरत है और दबाव में शांत कैसे रहना है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी मानसिक मजबूती है।" जैसे-जैसे हीरो मेन्स एचआईएल 2025-26 अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है, मंदीप सिंह का खिताब जीतने का सपना अब सिर्फ व्यक्तिगत नहीं रहा, बल्कि एक साझा लक्ष्य बन चुका है— ऐसा लक्ष्य, जो उनके घर में आधा पूरा हो चुका है और पूरा होने का इंतजार कर रहा है।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026: सिंधु और श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचे

एजेंसी, जकार्ता

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु और पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने जापान की मनामी सुइजू को 53 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। सिंधु ने अहम मौकों पर संयम दिखाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की। पुरुष एकल में विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए विश्व नंबर 22 कोकी वतनाबे (जापान) को एक घंटा 12 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। अब अगले दौर में श्रीकांत का सामना चौथी वरीयता प्राप्त चाउ तियेन चेन (चीनी ताइपे) से होगा, जिन्होंने पहले दौर में आयरलैंड के न्हात गुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। हालांकि, अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज को पहले दौर में ही इंडोनेशिया के मोह जाकी उबैदिल्लाह के खिलाफ 17-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में आकर्शी कश्यप भी शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। उन्हें डेनमार्क की जूली डावल याकोबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में भारत का अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया।

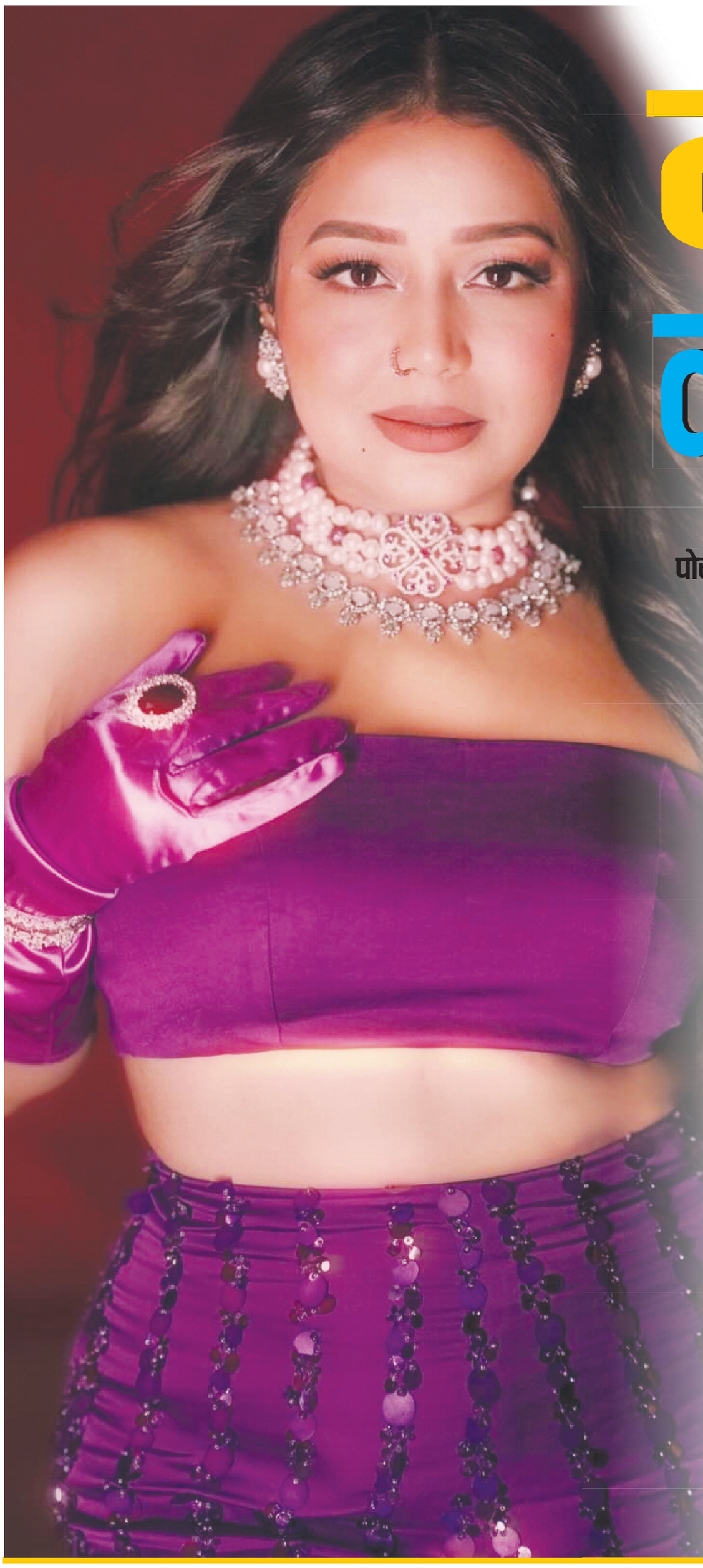

नेहा ककक्ड़

ने तलाक की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी, पोस्ट डिलीट करने के बाद बोलीं- 'मेरे पति को बेवजह मत घसीटो'

पॉपुलर सिंगर नेहा कक्कड़ अपने गानों के लेकर तो सुर्खियां बटोरती ही हैं, लेकिन इन दिनों सिंगर सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आ गईं. इसकी वजह है नेहा की इंस्टाग्राम की स्टोरी, जिसमें उन्होंने हर चीज से ब्रेक लेने के बारे में लिखा था. उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में काम, जिम्मेदारियों और रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कही. इस पोस्ट को कुछ ही देर में डिलीट कर दिया गया, लेकिन इससे पहले यह खबर सोशल मीडिया पर फैल गई और उनके पति रोहनप्रीत सिंह के साथ तलाक की अफवाहों को हवा मिल गई.

नेहा कक्कड़ ने पहले भी अपने पोस्ट को लेकर सुर्खियां बटोरी है और अब पोस्ट डिलीट करने के बाद सिंगर ने मामले पर अपना रिएक्शन भी दिया है. जहां एक तरफ नेहा की पोस्ट के बाद से उनके और रोहनप्रीत के रिश्ते पर सवाल किया जा रहा है तो अब नेहा का कहना है कि उनके रिश्ते में कोई समस्या नहीं है. नेहा ने फैंस से रिक्वेस्ट करते हुए कहा, प्लीज मेरे इनोसेंट हसबैंड या मेरे परिवार को इस बारे में मत घसीटो. वे सबसे प्यारे लोग हैं जिन्हें मैं जानती हूं और मैं आज जो कुछ भी हूं, उनके सपोर्ट की वजह से हूं.

तलाक की आने लगीं खबरें

सिंगर ने ये भी बताया कि उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स से बहुत कुछ सीखा है और आगे से अपने पर्सनल लाइफ पर इतनी जल्दी कुछ शेयर नहीं करेंगी. नेहा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में लिखा कि वह अब अपनी प्राइवेट लाइफ के बारे में नहीं बात करेंगी और फैंस से कहा कि वे उनकी स्पेस की रिस्पेक्ट करें. नवंबर 2020 में नेहा ने पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह से शादी की थी और तब से दोनों एक दूसरे के साथ कई पलों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है. हालांकि, पिछले कुछ समय से फैंस और मीडिया में दोनों के रिश्ते के बारे में अफवाहें चल रही थीं.

सभी से दूरी बनाने की बात

रिलेशनशिप से हटकर काम की बात करें तो नेहा कक्कड़ ने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि वो काम, रिश्तों और जिम्मेदारियों से एक ब्रेक ले रही हैं और उन्होंने फैंस से कहा कि वह नहीं जानती कि वो कब वापस आएंगी. उसके बाद उन्होंने कैमरा और पैपराजी से भी दूरी बनाए रखने की रिक्वेस्ट की थी. इस बयान के तुरंत बाद ही काफी लोगों का कहना था कि नेहा और रोहनप्रीत के बीच तलाक जैसा कुछ चल रहा है. लेकिन नेहा ने साफ कहा कि ऐसा कुछ भी सच नहीं है और फैंस को उनकी शादी या रिश्ते की अफवाहों पर भरोसा नहीं करना चाहिए.

अक्षय कुमार की गाड़ियों के काफिले का एक्सीडेंट, जुहू में मर्सिडीज ने ऑटो को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे 'खिलाड़ी'

मुंबई के जुहू इलाके से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के काफिले की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है. गनीमत यह रही कि अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना पूरी तरह सुरक्षित हैं. इस पूरे मामले में एक्टर या उनकी टीम की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. लेकिन टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 'खिलाड़ी कुमार' और उनकी पत्नी इस हादसे से बाल-बाल बचे हैं.

जानकारी के मुताबिक, ये घटना सोमवार रात करीब 8.45 से 9 बजे के बीच की है. अक्षय कुमार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना के साथ एयरपोर्ट से घर लौट रहे थे. जुहू के गांधीग्राम रोड इस्कॉन टेम्पल इलाके से गुजरते समय एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने सड़क पर चल रहे एक ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो उछलकर सीधे अक्षय कुमार के काफिले में चल रही इनोवा कार से जा टकराया.

बाल-बाल बचे अक्षय और ट्विंकल

सूत्रों के अनुसार, जिस वक्त यह हादसा हुआ, अक्षय और ट्विंकल दूसरी कार में आगे चल रहे थे. उनकी गाड़ी को भी हल्का झटका लगा, लेकिन वो सुरक्षित हैं. लेकिन रिक्शा और उनकी सिक्योरिटी की गाड़ी बुरी तरह से डैमेज हो गई. हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

हादसे में घायल हुए लोग

इस दुर्घटना में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए हैं. ऑटो ड्राइवर और उसमें सवार यात्री को कुछ चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत पास के क्रिटीकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. राहत की बात ये है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. घटना की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है.

अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक FIR दर्ज नहीं की गई है, लेकिन पुलिस मर्सिडीज ड्राइवर से पूछताछ कर रही है. हालांकि इस पूरे मामले को लेकर अक्षय कुमार की तरफ से कोई भी बात नहीं की गई है.

12 साल बाद फराह खान संग काम करेंगे शाहरुख खान? 'किंग' के बीच आई ये बड़ी खबर

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान की दो साल से कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है. फिर भी वो सबसे ज्यादा चर्चा में बने रहते हैं. लेकिन, आपको बता दें कि लंबे वक्त से शाहरुख अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है. लेकिन, इस पर आधिकारिक ऐलान अभी तक नहीं हुआ है.

साल 2023 में पहले 'पठान' और फिर 'जवान' से धूम मचाने वाले शाहरुख खान आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म 'डंकी में नजर आए थे. ये पिक्चर दिसंबर 2023 में रिलीज हुई थी. अब उनके फैंस फिल्म किंग के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ये एक मल्टीस्टारर फिल्म होगी. इसकी चर्चा के बीच अब एक और बड़ी खबर आई है. मशहूर डायरेक्टर-कोरियोग्राफर और शाहरुख की खास दोस्त फराह खान ने एक्टर को लेकर बात करते हुए एक बड़ा बयान दिया है.

डायरेक्शन में लौटेंगी फराह खान

फराह खान ने हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान कोरियोग्राफर के साथ-साथ डायरेक्टर के रूप में भी बनाई है. लेकिन, लंबे वक्त से वो डायरेक्शन की फील्ड से दूर हैं. इन दिनों वो अपने यूट्यूब चैनल से सुर्खियां बटोर रही हैं. हाल ही में उन्होंने टीवी के मशहूर अभिनेता नकुल मेहता के घर जाकर अपने यूट्यूब चैनल के लिए एक वीडियो बनाया और डायरेक्शन में वापसी का संकेत दिया.

फराह ने रखी ये बड़ी शर्त

नकुल ने फराह के डायरेक्शन की तारीफ करते हुए कहा कि वो जिस तरह की फिल्में बनाती हैं, उन्हें वो मिस कर रहे हैं. इसके बाद फराह ने कहा, अगर मैं फिल्म डायरेक्ट करूंगी, तो सिर्फ शाहरुख खान के साथ. वरना मैं इंतजार करूंगी और यूट्यूब पर काम करती रहूंगी. यानी फराह डायरेक्श में आने के लिए तैयार हैं, लेकिन शर्त ये है कि उनका कमबैक शाहरुख खान के साथ हो.

12 साल बाद फराह संग काम करेंगे शाहरुख ?

बता दें कि फराह और शाहरुख खान साथ में मैं हूं ना, ओम शांति ओम और हैप्पी न्यू ईयर जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं. ये तीनों फिल्में काफी पसंद की गई थीं. आखिरी बार दोनों ने हैप्पी न्यू ईयर के जरिए 12 साल पहले साथ काम किया था. ये फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी.

तेलुगु फिल्म की रीमेक होगी अक्षय कुमार और

विद्या बालन

की मूवी? अनीस बज्मी ने दिया बड़ा अपडेट

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' में बिजी हैं, जो 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी. बीते काफी वक्त से अक्षय कुमार और अनीस बज्मी को लेकर खबरें सामने आ रही थीं कि दोनों 15 साल बाद एक नई कॉमेडी फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं. अक्षय और अनीस ने आखिरी बार 2011 में आई फिल्म 'थैंक्यू' में साथ काम किया था. कई दिनों से इस फिल्म को लेकर बज बना हुआ था और ऐसी खबर भी मिली थी कि अक्षय और अनीस बज्मी की इस फिल्म में विद्या बालन हीरोइन होंगी. अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

बीते दिनों ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि अक्षय कुमार और विद्या बालन अनीस बज्मी की अगली अनटाइटल्ड फिल्म में साथ काम करेंगे. हालांकि, अब इस फिल्म पर मुहर लग गई है. 'मिशन मंगल' के छह साल बाद अक्षय और विद्या, दोनों को फिर से स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं.

अनीस बज्मी की अगली फिल्म

फिल्ममेकर अनीस बज्मी ने 20 जनवरी से मुंबई में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं. हाल ही में डायरेक्टर ने इस अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट के बारे में बात की और कंफर्म किया कि इसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन लीड रोल में होंगे. एक हालिया बातचीत में अनीस बज्मी ने बताया, जब मुझे इस फिल्म की कहानी मिली और मुझे लगा कि ये अक्षय जी के लिए सही रहेगी, तो मैंने उनसे कॉन्टैक्ट किया. उन्हें कहानी बहुत पसंद आई. वो इसके लिए बहुत एक्साइटेड हैं. हम 20 जनवरी से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे.

'संक्रांति की वस्तुनाम' रीमेक पर सफाई

मीडिया रिपोर्ट्स में ये बात सामने आई थी कि अनीस बज्मी की ये फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनाम' (2025) का रीमेक होगी. इन अफवाहों पर अनीस बज्मी ने कहा, ऐसी अफवाहें मार्केट में उड़ती रहती हैं. अब तक मेरे और मेरी फिल्मों के बारे में बहुत कुछ कहा गया है. लेकिन मैं कभी सफाई नहीं देता, क्योंकि सच आखिरकार सामने आ ही जाता है. हमारी फिल्म की कहानी 'संक्रांतिकी वस्तुनाम' की कहानी के करीब है. साथ ही, दिल राजू भाई दोनों फिल्मों के प्रोड्यूसर हैं. मैं बस इतना कह सकता हूं कि हमारी फिल्म अच्छी है. हमने पूरी मेहनत की है.